WATERMELON- PACKAGE OF PRACTICES

Congratulations! You have chosen one of the finest Water Melon seeds from the Crystal family. Crystal has solid experience in producing high-quality Water Melon seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding hybrid crops suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's Water Melon seeds provide excellent germination & better vigour with tolerance to biotic & abiotic stresses.

Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions.

Watermelon Hybrid	**Black Boss, Black Jumbo, Hyb Puma**	**Black Queen, Black Queen Plus, Black Suprimo, Kaveri, Vithoba**	**Green Wonder, Hyb. Simba**	**Yellow Baby**								
Duration	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS								
Kharif	Yes	Yes	Yes	Yes								
Rabi	Yes(100-107)	Yes (100-107)	Yes (97-107)	Yes (100-107)								
Spring	Yes	Yes	Yes	Yes								
Source of Irrigation	Borewell	Borewell	Borewell	Borewell								

Please note according to weather conditions crop growth & maturity may be different

S. No.	Particulars/ operations/Practice	Details of operation. input per acre
1	Suitability of the area/Agro-climatic zone	Water melon requires dry hot climate with warmer days and cooler nights. Watermelons cannot withstand frost and low temp
2	Land. Soil	Well drained sandy loams and alluvial soils. Soil pH 5.5 to 6.5 is ideal.
3	Season. Sowing/planting time	June-Oct and Feb-April in South India. July-Aug and Feb- March in Northen and Western India, June-July Eastern India
4	Seed rate. Sowing/planting method.	300-350 g/ Acre, canal method.
5	Preparation of Main field and planting	Apply 10 tones of decomposed FYM followed by harrowing to mix in the soil. * Form sowing canals * Apply basal dose of fertilizers in sowing canals and cover the fertilizer * Irrigate the field two day prior to sowing. * Dibble two seed per hill, immediately give light irrigation for quick and better Germination
6	Spacing	Row to Row(canal) 200-240cm; Plant to plant: 45cm
7	Seed treatment before sowing	Seed treatment with Capton 2 g/kg
8	Manures and Fertilizers	* Basal dose before sowing : 30:50:50 Kg NPK * First top dressing 20-25 days after sowing: 50kg N * Second top dressing 20-25 days after first top : 20 kg N
9	Irrigation schedule	Irrigate field depending on soil type. Light and frequent irrigation once in 5-6 days interval. Ensure sufficient moisture at root zone especially during flowering fruit stage
10	Weeding/ intercultivation	Two hand weeding is required. Keep plots free of weed. Earthing up at 30 and 60 days after sowing.
11	Micronutrient/growth regulator sprays	Spray Calcium Nitrate (1% solution) at the time of flowering to increase fruit set
12	Pest and Disease control	Powdery Mildew: Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG (0.5 to 1 gm per liter) or Chlorothalonil 75% WP 1.0 ml/Liter Downy mildew: Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG (0.5 to 1 gm per litre) Leaf miner: Abamectin 1.8% EC (0.5 to 1 ml/litre), Red pumpkin beetle: Deltamethrin 5.56 % w/w SC (0.5 ml/litre) Thrips /Aphids : Flonicamid 50 % WG (0.5 gm/litre) Fusarium Wilt: Drench with Carbendazim (1gm/litre) Fruit fly: Use pheromone traps. Delta mithrin 1ml/litre For more information to control & disease in field, please consult your local agriculture officers.
13	Harvest	Fruits ready for harvest 40 -55 days after flowering. Drying of tendril nearest to the fruit is the indication of maturity.
14	Expected yield	20-25 Tonnes fruits from a well managed crop under ideal conditions.
17	Storage	Keep at room temperature (50-60°F, 10-15°C) in a cool, dry area up to 3weeks
18	Don't Do	Excess irrigation and close planting with less spacing between row to row.
19	Do's	Provide adequate watering. Harvest at the right maturity stage
Note	The above information is a general advisory. For specific recommendations related to particular region, please contact your local State Agriculture Department.	
Precautions	Crop growth and yield can be affected by various factors. Therefore, it is recommended to consult your local agricultural officer for advice. Ensure that only high-quality fertilizers and pesticides are used. Retain the bills for the purchase of seeds, fertilizers, and pesticides.	

CRYSTAL
Inspiring Growth

I&B Seeds
INDUS SEEDS | SEED & PLANT SCIENCE

तरबूज की खेती के तरीके

बधाई हो! आपने क्रिस्टल परिवार की तरबूज की बेहतरीन किस्म के बीजों में से एक को चुना है। क्रिस्टल कंपनी को उच्च दर्जे के तरबूज के बीजों के उत्पादन का समृद्ध अनुभव है। ये बीज व्यापक शोध के फलस्वरूप तैयार किए गए हैं, ताकि अलग-अलग खेती की परिस्थितियों में अधिक उपज देने वाली हाइब्रिड फसलें विकसित की जा सकें। क्रिस्टल कंपनी बीज निर्माण में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करती है, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज मिल सकें। क्रिस्टल के तरबूज के बीजों में उच्च अंकुरण क्षमता, मजबूत पौध वृद्धि और रोग और पर्यावरणीय तनावों के प्रति अच्छी सहनशीलता होती है।

बेहतरीन परिणाम प्राप्त करने हेतु खेती के अनुशंसित तरीकों को अपनाएँ। आगे कुछ सामान्य सुझाव दिए जा रहे हैं, इसलिए हम आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि फैसला लेने से पहले कृपया इन्हें अच्छी तरह पढ़ लें।

हाइब्रिड तरबूज	ब्लैक बॉस, ब्लैक जंबो, हाइब्रिड. प्यूमा		ब्लैक बॉस_ _, ब्लैक क्वीन प्लस_, ब्लैक क्वीन_, ब्लैक सुप्रीमओ_, हाइब्रिड. कावेरी_, हाइब्रिड. विठोबा_	ग्रीन वंडर, हाइब्रिड. सिंबा	येलो बेबी							
अवधि	80-90 DAS		80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS							
खरीफ	हाँ		हाँ	हाँ	हाँ							
रबी	हाँ (100-107)		हाँ (100-107)	हाँ (97-107)	हाँ (100-107)							
वसंत	हाँ		हाँ	हाँ	हाँ							
सिंचाई का स्रोत	बोरवेल		बोरवेल	बोरवेल	बोरवेल							

कृपया ध्यान रखें कि जलवायु की स्थिति के अनुसार फसल वृद्धि और परिपक्व होने का समय अलग-अलग हो सकता है

क्रम सं.	विवरण/ संचालन/तरीका	कार्यप्रणाली का विवरण। प्रति एकड़ लागत
1	क्षेत्र की उपयुक्तता / कृषि-जलवायु क्षेत्र	तरबूज के लिए ऐसा मौसम अनुकूल है जो शुष्क और गर्म हो और दिन में ज्यादा गर्मी हो और रातें ठंडी हों। तरबूज की फसल पाले और ठंडे मौसम को बर्दाश्त नहीं कर सकती।
2	भूमि। मिट्टी	अच्छी जल निकासी वाली रेत-युक्त दोमट और तलछट मिट्टी। आदर्श मिट्टी का pH 5.5–6.5 होना चाहिए।
3	मौसम। बुवाई/रोपाई का समय	दक्षिण भारत में जून से अक्टूबर और फरवरी से अप्रैल तक। उत्तरी और पश्चिमी भारत में जुलाई-अगस्त और फरवरी-मार्च, और पूर्वी भारत में जून-जुलाई
4	बीज दर। बुवाई/रोपाई का तरीका।	300-350 ग्राम/ एकड़, केनाल विधि।
5	मुख्य खेत की तैयारी और रोपाई	गोबर की 10 टन सड़ी हुई खाद डालें और जुताई करें, ताकि यह मिट्टी में मिल जाए। * बीज बोने के लिए नाली बनाएँ * बुवाई वाली नालियों में आधार खुराक के रूप में उर्वरक डालें और ढक दें * बीज बोने से दो दिन पहले खेत में पानी दें। * हर मेड़ में दो बीज डालें और तुरंत हल्का पानी दें, जिससे बीज तेज़ी से अंकुरित हों
6	पौधों के बीच दूरी	पंक्तियों के बीच दूरी (केनाल): 200-240 सेमी; पौधों के बीच दूरी: 45 सेमी
7	बुआई से पहले बीज उपचार	कैप्टन 2 ग्राम प्रति किलोग्राम से बीज का उपचार
8	जैविक और रासायनिक उर्वरक	* बीज बोने से पहले आधार खुराक: 30:50:50 किग्रा NPK * बुआई के 20-25 दिन बाद पहली टॉप ड्रेसिंग: 50 किग्रा N * पहली टॉप ड्रेसिंग के 20–25 दिन बाद दूसरी टॉप ड्रेसिंग: N 20 किग्रा N
9	सिंचाई कार्यक्रम	मिट्टी की स्थिति के हिसाब से सिंचाई करें। 5-6 दिन के अंतराल पर हल्की और नियमित सिंचाई करें। फूल और फल बनने के दौरान जड़ों के पास पर्याप्त नमी सुनिश्चित करें
10	खरपतवार नियंत्रण और अंतर-फसल खेती	दो बार हाथ से खरपतवार निकालना जरूरी है। खेत में किसी भी तरह का खरपतवार न होने दें। 30 और 60 दिन के बाद पौधों के आसपास मिट्टी भरें।
11	पोषक तत्व और विकास नियामक का छिड़काव	फूलने के दौरान 1% कैल्शियम नाइट्रेट के घोल का छिड़काव करके फल लगने की प्रक्रिया को बढ़ावा दें
12	कीट-पतंग और रोग नियंत्रण	पाउडरी मिल्ड्यू: टेबुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% WG (0.5–1 ग्राम/लीटर) या क्लोरोथैलोनिल 75% WP (1.0 मि.ली./लीटर) डाउनि मिल्ड्यू रोग के लिए: टेबुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% WG (प्रति लीटर 0.5–1 ग्राम) पत्ती खाने वाले कीट: एबामेक्टिन 1.8% EC (0.5–1 मिली/लीटर), रेड पंपकिन बीटल: डेल्टामैथ्रिन 5.56% w/w SC (0.5 मिली/लीटर) थ्रिप्स /एफिड कीट: फ्लोनिकैमिड 50% WG (0.5 ग्राम/लीटर) फ़्यूज़ेरियम वील्ट: कार्बेन्डाज़िम (1 ग्राम/लीटर) से मिट्टी का उपचार करें फ्रूट फ़्लाई: फेरोमोन ट्रैप का प्रयोग करें। 1 मिली/लीटर दर से डेल्टामैथ्रिन का छिड़काव करें <u>खेत में रोग और कीट नियंत्रण के संबंध में अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारियों से सलाह लें।</u>
13	फसल काटना	फूल आने के 40-55 दिन बाद फल तोड़ने के लायक हो जाते हैं। फल के नज़दीकी बेल का सूखना फसल की परिपक्वता दर्शाता है।
14	अनुमानित उपज	सही देखभाल वाली फसल आदर्श परिस्थिति में 20-25 टन उपज देती है।
17	भंडारण	कमरे के तापमान पर (10-15°C, 50-60°F) ठंडी और सूखी जगह में 3 हफ्ते तक संग्रहित कर सकते हैं
18	क्या न करें	अधिक पानी देने और पंक्तियों के बीच कम दूरी पर पौधों की रोपाई।
19	क्या करें	पौधों को पर्याप्त पानी दें। ठीक से परिपक्व हो जाने पर फलों को तोड़ें
नोट	यह जानकारी सिर्फ़ सामान्य जानकारी के लिए है। विशेष क्षेत्र से जुड़ी अनुशंसाओं के लिए कृपया अपने संबंधित राज्य कृषि विभाग से संपर्क करें।	
सावधानियाँ	फसल वृद्धि और उपज पर अलग-अलग तत्वों का प्रभाव पड़ सकता है। अतः सलाह है कि सुझाव के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारी से परामर्श करें। यह सुनिश्चित करें कि बेहतर गुणवत्ता के उर्वरक और कीटनाशक ही इस्तेमाल हों। बीज, उर्वरक और कीटनाशक की खरीद के बिल अपने पास रखें।	

CRYSTAL
Inspiring Growth

I&B Seeds
INDUS SEEDS
SEED PLANT SCIENCE

તરબૂચ -ખેતી માટેની ભલામણ કરેલી પદ્ધતિઓ

અભિનંદન! તમે ક્રિસ્ટલ પરિવારમાંથી શ્રેષ્ઠ તરબૂચના બીજમાંથી એક પસંદ કર્યું છે. ક્રિસ્ટલને ઉચ્ચ-ગુણવત્તાવાળા પાણીના તરબૂચના બીજનું ઉત્પાદન કરવાનો મજબૂત અનુભવ છે. આ બીજ વ્યાપક સંશોધનનું પરિણામ છે, જેનો ઉદ્દેશ્ય વિવિધ કૃષિ આબોહવા માટે યોગ્ય ઉચ્ચ ઉપજ આપતા હાઇબ્રિડ પાક વિકસાવવાનો છે. ખેડૂતોને ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા બીજ મળે તે સુનિશ્ચિત કરવા માટે ક્રિસ્ટલ બીજ ઉત્પાદન દરમિયાન નવીનતમ તકનીકો અપનાવે છે. ક્રિસ્ટલના તરબૂચના બીજ ઉત્તમ અંકુરણ અને વધુ સારી શક્તિ પ્રદાન કરે છે, સાથે જૈવિક અને અજૈવિક તાણ સહન કરે છે.
ઉત્તમ ઉપજ મેળવવા માટે કૃપા કરીને શ્રેષ્ઠ ખેતી પદ્ધતિઓ અપનાવો. નીચે આપેલ સામાન્ય ભલામણો આપવામાં આવી છે, તેથી અમે તમને કોઈપણ નિર્ણય લેતા પહેલા આ ભલામણો વાંચવા વિનંતી કરીએ છીએ.

તરબૂચ હાઇબ્રિડ	બ્લેક બાસ, બ્લેક જંબો, હાઇબ્રિડ. પ્યૂમા	ગ્રીન વંડર, હાઇબ્રિડ. સિંબા	ચેલો બેબી									
સમયગાળો	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS									
ખરીફ	હા	હા	હા									
રાબી	હા(100-107)	હા (97-107)	હા (97-107)									
વસંત	હા	હા	હા									
સિંચાઈનો સ્ત્રોત	બોરવેલ	બોરવેલ	બોરવેલ									

કૃપા કરીને નોંધ લો કે હવામાન પરિસ્થિતિઓ અનુસાર પાકનો વિકાસ અને પરિપક્વતા અલગ અલગ હોઈ શકે છે.

ક્રમ નં.	વિગતો/કામગીરી/પ્રેક્ટિસ	કામગીરીની વિગતો. પ્રતિ એકર ઇનપુટ
1	વિસ્તાર/કૃષિ-આબોહવા ક્ષેત્રની યોગ્યતા	તરબૂચને સૂકા, ગરમ વાતાવરણની જરૂર પડે છે, જેમાં દિવસો ગરમ અને રાત ઠંડી હોય છે. તરબૂચ હિમ અને નીચા તાપમાનનો સામનો કરી શકતા નથી.
2	જમીન. માટી	સારા પાણીના નિકાલવાળી રેતાળ લોમ અને કાંપવાળી જમીન. માટીનું Ph 5.5 થી 6.5 આદર્શ છે.
3	ઋતુ. વાવણી/વાવેતરનો સમય	દક્ષિણ ભારતમાં જૂન-ઓક્ટો અને ફેબ્રુઆરી-એપ્રિલ. જુલાઈ-ઓગસ્ટ અને ફેબ્રુઆરી-માર્ચ ઉત્તર અને પશ્ચિમ ભારતમાં, જૂન-જુલાઈ પૂર્વીય ભારતમાં
4	બીજ દર. વાવણી/વાવેતર પદ્ધતિ.	300-350 ગ્રામ/એકર, નહેર પદ્ધતિ.
5	મુખ્ય ખેતરની તૈયારી અને વાવેતર	10 ટન વિઘટિત છાણિયું ખાતર નાખો અને ત્યારબાદ જમીનમાં ભેળવીને કાપણી કરો. * વાવણી માટે નાળા બનાવો * વાવણી નહેરોમાં ખાતરનો મૂળ માત્રા આપો અને ખાતરને ઢાંકી દો. * વાવણીના બે દિવસ પહેલા ખેતરમાં પાણી આપો. * ઝડપી અને સારા અંકુરણ માટે દરેક ટેકરી પર બે બીજ ખોદીને તરત જ હળવું પાણી આપો.
6	અંતર	લાઈન થી લાઈન 200-240 સેમી; છોડ થી છોડ: 45 cm
7	વાવણી પહેલાં બીજ માવજત	કેપ્ટન 2 ગ્રામ/કિલો સાથે બીજ માવજત
8	ખાતર અને ખાતરો	* વાવણી પહેલાં મૂળભૂત માત્રા: 30:50:50 કિગ્રા NPK * વાવણી પછી 20-25 દિવસ પછી પહેલું ટોપ ડ્રેસિંગ: 50 કિલો N * પ્રથમ ટોપ પછી 20-25 દિવસ પછી બીજું ટોપ ડ્રેસિંગ: 20 કિલો N
9	સિંચાઈ સમયપત્રક	જમીનના પ્રકાર પર આધાર રાખીને ખેતરમાં સિંચાઈ કરો. 5-6 દિવસના અંતરાલમાં એકવાર હળવું અને વારંવાર સિંચાઈ કરવી. ખાસ કરીને ફૂલોના ફળના તબક્કા દરમિયાન મૂળ વિસ્તારમાં પૂરતો ભેજ સુનિશ્ચિત કરો.
10	નીંદણ/આંતરખેતી	બે હાથે નીંદણ કાપવું જરૂરી છે. પ્લોટને નીંદણ મુક્ત રાખો. વાવણી પછી 30 અને 60 દિવસે માટી ખોદવી.
11	સૂક્ષ્મ પોષકતત્વો/વૃદ્ધિ નિયમનકાર સ્પ્રે	ફળનો સમૂહ વધારવા માટે ફૂલો આવવાના સમયે કેલ્શિયમ નાઇટ્રેટ (1% દ્રાવણ) નો છંટકાવ કરો.
12	જીવાત અને રોગ નિયંત્રણ	પાવડરી ફૂગ: ટેબુકોનાઝોલ 50% + ટ્રાઇફ્લોક્સીસ્ટ્રોબિન 25% ડબલ્યુજી (0.5 થી 1 ગ્રામ પ્રતિ લિટર) અથવા ક્લોરોથાલોનિલ 75% ડબલ્યુપી 1.0 મિલી/લિટર તરછોડ: ટેબુકોનાઝોલ 50% + ટ્રાઇફ્લોક્સીસ્ટ્રોબિન 25% WG (0.5 થી 1 ગ્રામ પ્રતિ લિટર) પાન ખાણિયો: એબામેક્ટીન 1.8% EC (0.5 થી 1 મિલી/લિટર), લાલ કોળાની ભમરી: ડેલ્ટામેથ્રિન 5.56% SC સાથે (0.5 મિલી/લિટર) થ્રિપ્સ/મોલો મચ્છર: ફ્લોનીકામિડ 50% WG (0.5 ગ્રામ/લિટર) ફ્યુઝેરિયમ વિલ્ટ: કાર્બેન્ડાઝીમ (1 ગ્રામ/લિટર) સાથે ભીંજવો ફળમાખી: ફેરોમોન ફાંસોનો ઉપયોગ કરો. ડેલ્ટા મિથ્રિન 1 મિલી/લિટર ખેતરમાં રોગ નિયંત્રણ અને નિયંત્રણ માટે વધુ માહિતી માટે, કૃપા કરીને તમારા સ્થાનિક કૃષિ અધિકારીઓનો સંપર્ક કરો.
13	લણણી	ફૂલો આવ્યાના 40-55 દિવસ પછી લણણી માટે ફળો તૈયાર થાય છે. ફળની સૌથી નજીક ટેન્ડ્રીલનું સુકાઈ જવું એ પરિપક્વતાનો સંકેત છે.
14	અપેક્ષિત ઉપજ	આદર્શ પરિસ્થિતિઓમાં સારી રીતે સંચાલિત પાકમાંથી 20-25 ટન ફળો.
17	સંગ્રહ	ઓરડાના તાપમાને (50-60°F, 10-15°C) ઠંડા, સૂકા વિસ્તારમાં 3 અઠવાડિયા સુધી રાખો.
18	ના કરો	વધુ પડતું સિંચાઈ અને હરોળથી હરોળ વચ્ચે ઓછું અંતર રાખીને નજીકથી વાવેતર કરો.
19	શું કરવું	પૂરતું પાણી આપો. યોગ્ય પરિપક્વતાના તબક્કે લણણી કરો
નોંધ	ઉપરોક્ત માહિતી એક સામાન્ય સલાહ છે. ચોક્કસ પ્રદેશ સંબંધિત ચોક્કસ ભલામણો માટે, કૃપા કરીને તમારા સ્થાનિક રાજ્ય કૃષિ વિભાગનો સંપર્ક કરો.	
સાવચેતીનાં પગલાં	પાકની વૃદ્ધિ અને ઉપજ વિવિધ પરિબળોથી પ્રભાવિત થઈ શકે છે. તેથી, સલાહ માટે તમારા સ્થાનિક કૃષિ અધિકારીનો સંપર્ક કરવાની ભલામણ કરવામાં આવે છે. ખાતરી કરો કે ફક્ત ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા ખાતરો અને જંતુનાશકોનો ઉપયોગ થાય છે. બીજ, ખાતર અને જંતુનાશકોની ખરીદીના બિલ સાચવી રાખો.	

CRYSTAL
Inspiring Growth

I&B Seeds
INDUS SEEDS

कलिंगड- पीक व्यवस्थापन पद्धती

अभिनंदन! तुम्ही क्रिस्टल कुटुंबातील सर्वोत्तम कलिंगड बियाण्यांपैकी एक बियाणे निवडले आहे. क्रिस्टलला उच्च दर्जाचे कलिंगड बियाणे तयार करण्याचा चांगला अनुभव आहे. विविध कृषी हवामानासाठी योग्य उच्च-उत्पादन देणारी संकरित पिके विकसित करण्याच्या उद्देशाने केलेल्या व्यापक संशोधनाचे परिणाम म्हणजेच हे बियाणे. शेतकऱ्यांना उच्च दर्जाचे बियाणे मिळावे यासाठी क्रिस्टल नेहमीच बियाणांच्या उत्पादना दरम्यान नवीनतम तंत्रज्ञानाचा अवलंब करते. क्रिस्टलच्या कलिंगड बियाणांमुळे, जैविक आणि अजैविक ताण सहन करण्याच्या शक्तीसह पिके जोमाने उगवतात आणि वाढतात.
उत्कृष्ट उत्पादन मिळविण्यासाठी कृपया सर्वोत्तम शेती पद्धतींचा अवलंब करा. खाली सामान्य शिफारसी दिल्या आहेत, त्यामुळे कोणताही निर्णय घेण्यापूर्वी आम्ही तुम्हाला या शिफारसी वाचण्याची विनंती करतो.

कलिंगड हायब्रीड	ब्लैक बॉस, ब्लैक जंबो, हाइब्रिड. प्यूमा	ब्लैक बॉस_ _, ब्लैक ब्लीन प्लस_, ब्लैक ब्लीन_, ब्लैक सुप्रीमो_, हाइब्रिड. कावेरी_, हाइब्रिड. विठोबा_	ग्रीन वंडर, हाइब्रिड. सिंबा	येलो बेबी							
कालावधी	80-90 दिवसांनंतर	80-90 दिवसांनंतर	80-90 दिवसांनंतर	80-90 दिवसांनंतर							
खरीप	होय	होय	होय	होय							
रब्बी	होय(100-107)	होय (100-107)	होय (97-107)	होय (100-107)							
वसंत ऋतू	होय	होय	होय	होय							
सिंचनाचा स्रोत	बोअरवेल	बोअरवेल	बोअरवेल	बोअरवेल							

कृपया नोंद घ्या की, हवामानाच्या परिस्थितीनुसार पिकाची वाढ आणि परिपक्वता वेगवेगळी असू शकते.

अनु. क्र.	तपशील/कामकाज/प्रत्यक्ष कृती	कार्याचे तपशील. प्रति एकर उत्पादन
1	क्षेत्राची योग्यता/ कृषी-हवामान क्षेत्र	कलिंगडाला दिवस उष्ण आणि रात्री थंड असलेले कोरडे, उष्ण हवामान आवश्यक असते. कलिंगड हे अत्यंत कडक थंडी आणि कमी तापमान सहन करू शकत नाहीत
2	जमीन. माती	चांगला निचरा होणारी वालुकामय चिकणमाती आणि गाळयुक्त माती. आदर्श मातीचा सामू (pH) 5.5 ते 6.5 आहे
3	हंगाम. पेरणी/लागवडीची वेळ	दक्षिण भारतात जून-ऑक्टोबर आणि फेब्रुवारी-एप्रिल. उत्तर आणि पश्चिम भारतात जुलै-ऑगस्ट आणि फेब्रुवारी-मार्च, पूर्व भारतात जून-जुलै
4	बियाणांचा दर पेरणी/लागवडीची पद्धत	300-350 ग्रॅम/एकर, पाटाने पाणी दिले जाते.
5	मुख्य शेताची तयारी आणि लागवड	10 टन कुजलेले शेणखत टाका आणि नंतर जमिनीत व्यवस्थित मिसळा. पेरणीसाठी पाट तयार करा * पेरणीच्या कालव्यांमध्ये खतांचा मूलभूत डोस द्या आणि सगळीकडे खत नीट पसरूदे. * पेरणीपूर्वी दोन दिवस आधी शेताला पाणी द्या. * प्रत्येक सरीवर दोन बिया टोचा, लवकर आणि चांगले अंकुर फुटायला लगेच थोडे पाणी द्या
6	अंतर	प्रत्येक वाफा (पाट) 200-240 सेमी; प्रत्येक रोपांमध्ये: 45 सेमी
7	पेरणीपूर्वी बियाणांवर प्रक्रिया	बियाण्यांवर कॅप्टन 2 ग्रॅम/किलो प्रक्रिया
8	सेंद्रिय पदार्थ आणि खते	* पेरणीपूर्वी मूलभूत डोस: 30:50:50 किलो एनपीके * पेरणीनंतर 20-25 दिवसांनी पहिले टॉप ड्रेसिंग: 50 किलो नत्र * पहिल्या टॉपनंतर 20-25 दिवसांनी दुसरे टॉप ड्रेसिंग: 20 किलो नत्र
9	पेरणीपूर्वी बियाणे प्रक्रिया	मातीच्या प्रकारानुसार शेताला पाणी द्या. 5-6 दिवसांच्या अंतराने एकदा थोडे आणि वारंवार पाणी द्या. फळधारणेच्या अवस्थेत, मुळांच्या भागात पुरेसा ओलावा असल्याची खात्री करा.
10	तण काढणे/ आंतरमशागती	दोन हातांनी खुरपणी करणे आवश्यक आहे. शेत तणमुक्त ठेवा. पेरणीनंतर 30 आणि 60 दिवसांनी माती भरणे.
11	सूक्ष्म पोषक घटक/वाढ नियामक फवारण्या	फळधारणा वाढविण्यासाठी फुलांच्या वेळी कॅल्शियम नायट्रेट (1% द्रावण) फवारणी करा.
12	कीटक आणि रोग नियंत्रण	भुरी बुरशी: टेबुकोनाझोल 50% + ट्रायफ्लॉक्सिस्ट्रोबिन 25% भा.आ. 0.5 ते 1 ग्रॅम प्रति लिटर) किंवा क्लोरोथालोनिल 75% पाण्यातील प्रमाण 1.0 मिली/लिटर तंतू-भुरी बुरशी: टेबुकोनाझोल 50% + ट्रायफ्लॉक्सिस्ट्रोबिन 25% भा.आ. 0.5 ते 1 ग्रॅम प्रति लिटर) पाने खाणारी आळी: अबामेक्टिन 1.8% EC (0.5 ते 1 मिली/लिटर), तांबडा भुंगेरा: डेल्टामेथ्रिन 5.56% SC भा/आ (0.5 मिली/लिटर) फुलकिडे/मावा: फ्लोनिकामिड 50% भा/आ (0.5 ग्रॅम/लिटर) मर रोग: कार्बेन्डाझिम (1 ग्रॅम/लिटर) सह आंबवा फळमाशी: फेरोमोन सापळे वापरा. डेल्टा मिथ्रिन 1 मिली/लिटर शेतातील नियंत्रणासाठी आणि रोगाच्या अधिक माहितीसाठी, कृपया तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घ्या.
13	कापणी	फुलोऱ्यानंतर 40 -55 दिवसांनी फळे काढणीसाठी तयार होतात. फळांच्या जवळील तणाव वाळणे हे फळ पिकण्याचे लक्षण आहे.
14	अपेक्षित उत्पन्न	आदर्श परिस्थितीत चांगल्या प्रकारे व्यवस्थापित केलेल्या पिकातून 20-25 टन फळे मिळतात.
17	साठवणूक	रूम टेम्परेचरला (50-60°F, 10-15°सेल्सियस) थंड, कोरड्या जागेत 3 आठवड्यांपर्यंत ठेवा.
18	करू नका	जास्त पाणी देणे आणि वाफ्यातील अंतर कमी ठेवून लागवड जवळ जवळ करणे.
19	करा	पुरेसे पाणी द्या. पुरेसे पाणी द्या. योग्य पद्धतीने फळ पिकण्याच्या टप्प्यावर काढणी करा.

नोंद	वरील माहिती मधून सामान्य सल्ले दिले आहेत. विशिष्ट प्रदेशाशी संबंधित विशिष्ट शिफारसींसाठी कृपया तुमच्या स्थानिक राज्य कृषी विभागाशी संपर्क साधा.
घेण्याची काळजी	पिकांच्या वाढीवर आणि उत्पन्नावर विविध घटक परिणाम करू शकतात. म्हणून, तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घेण्याची शिफारस केली जाते. केवळ उच्च दर्जाची खते आणि कीटकनाशके वापरली जात आहेत याची खात्री करा. बियाणे, खते आणि कीटकनाशके खरेदी करताना बिल बाळगा.

ಕಲ್ಲಂಗಡಿ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳು

ಅಭಿನಂದನೆಗಳು! ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಕುಟುಂಬದ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಕಲ್ಲಂಗಡಿ ಬೀಜಗಳನ್ನು ನೀವು ಆರಿಸಿದ್ದೀರಿ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಕಲ್ಲಂಗಡಿ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಉತ್ಪಾದಿಸುವಲ್ಲಿ ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಸಂಸ್ಥೆಯು ಗಣನೀಯ ಅನುಭವವನ್ನು ಹೊಂದಿದೆ. ಈ ಬೀಜಗಳು ವ್ಯಾಪಕವಾದ ಸಂಶೋಧನೆಯ ಫಲಿತಾಂಶವಾಗಿದ್ದು, ವಿವಿಧ ಕೃಷಿ ಹವಾಮಾನಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ಹೆಚ್ಚಿನ ಇಳುವರಿ ನೀಡುವ ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸುವ ಗುರಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ. ರೈತರಿಗೆ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಬೀಜಗಳು ದೊರೆಯುವುದನ್ನು ಖಾತ್ರಿಪಡಿಸಲು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಬೀಜ ಉತ್ಪಾದನೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಇತ್ತೀಚಿನ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡಿದೆ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್‌ನ ಕಲ್ಲಂಗಡಿ ಬೀಜಗಳು ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುವಿಕೆ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಚೈತನ್ಯವನ್ನು, ಜೈವಿಕ ಮತ್ತು ಅಜೈವಿಕ ಒತ್ತಡಗಳಿಗೆ ಸಹಿಷ್ಣುತೆಯನ್ನು ನೀಡುತ್ತವೆ.

ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಇಳುವರಿ ಪಡೆಯಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಉತ್ತಮ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಈ ಕೆಳಗಿನ ಸಾಮಾನ್ಯ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲಾಗಿದೆ, ಆದ್ದರಿಂದ ಯಾವುದೇ ನಿರ್ಧಾರಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಮೊದಲು ಈ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಓದಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಕೇಳಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇವೆ.

ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಕಲ್ಲಂಗಡಿ	ಬ್ಲ್ಯಾಕ್ ಬಾಸ್, ಬ್ಲ್ಯಾಕ್ ಜಂಬೋ, ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಪ್ಯೂಮಾ	ಬ್ಲ್ಯಾಕ್ ಬಾಸ್ _ _, ಬ್ಲ್ಯಾಕ್ ಕ್ವೀನ್ ಪ್ಲಸ್ _, ಬ್ಲ್ಯಾಕ್ ಕ್ವೀನ್ _, ಬ್ಲ್ಯಾಕ್ ಸುಪ್ರಿಮೋ _, ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಕಾವೇರಿ _, ಹೈಬ್ರಿಡ್. ವಿಠೋಬಾ _	ಗ್ರೀನ್ ವಂಡರ್, ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಸಿಂಬಾ	ಯೆಲ್ಲೋ ಬೇಬಿ						
ಅವಧಿ	80-90 ದಿನಗಳು	80-90 ದಿನಗಳು	80-90 ದಿನಗಳು	80-90 ದಿನಗಳು						
ಮುಂಗಾರು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು						
ಹಿಂಗಾರು	ಹೌದು (100-107)	ಹೌದು (100-107)	ಹೌದು (97-107)	ಹೌದು (100-107)						
ವಸಂತ	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು						
ನೀರಾವರಿ ಪದ್ಧತಿ	ಬೋರ್‌ವೆಲ್	ಬೋರ್‌ವೆಲ್	ಬೋರ್‌ವೆಲ್	ಬೋರ್‌ವೆಲ್						

ದಯವಿಟ್ಟು ಗಮನಿಸಿ: ಹವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಪಕ್ವತೆ ವಿಭಿನ್ನವಾಗಿರಬಹುದು

ಕ್ರಮ ಸಂಖ್ಯೆ.	ವಿವರಗಳು / ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಗಳು /ಪದ್ಧತಿ	ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಯ ವಿವರಗಳು / ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ ಒಳಹರಿವು
1	ಪ್ರದೇಶದ ಸೂಕ್ತತೆ/ ಕೃಷಿ-ಹವಾಮಾನ ವಲಯ	ಕಲ್ಲಂಗಡಿ ಒಣ ಮತ್ತು ಬಿಸಿ ವಾತಾವರಣ, ಬೆಚ್ಚಗಿನ ಹಗಲು ಮತ್ತು ತಂಪಾದ ರಾತ್ರಿಗಳನ್ನು ಬಯಸುತ್ತದೆ. ಕಲ್ಲಂಗಡಿ ಹಿಮ ಮತ್ತು ಕಡಿಮೆ ತಾಪಮಾನವನ್ನು ಸಹಿಸುವುದಿಲ್ಲ
2	ಭೂಮಿ. ಮಣ್ಣು	ಉತ್ತಮ ಒಳಚರಂಡಿ ಹೊಂದಿದ ಮರಳು ಲೋಮಿ ಮತ್ತು ಮೆಕ್ಕಲು ಮಣ್ಣುಗಳು. ಮಣ್ಣಿನ Ph 5.5 ರಿಂದ 6.5 ಸೂಕ್ತವಾಗಿರುತ್ತದೆ.
3	ಋತು. ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ಸಮಯ	ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತದಲ್ಲಿ: ಜೂನ್‌ನಿಂದ ಅಕ್ಟೋಬರ್ ಮತ್ತು ಫೆಬ್ರವರಿಯಿಂದ ಏಪ್ರಿಲ್. ಉತ್ತರ ಮತ್ತು ಪಶ್ಚಿಮ ಭಾರತದಲ್ಲಿ: ಜುಲೈನಿಂದ ಆಗಸ್ಟ್ ಮತ್ತು ಫೆಬ್ರವರಿಯಿಂದ ಮಾರ್ಚ್, ಪೂರ್ವ ಭಾರತದಲ್ಲಿ ಜೂನ್‌ನಿಂದ ಜುಲೈ
4	ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ. ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ವಿಧಾನ.	300-350 ಗ್ರಾಂ/ಎಕರೆ, ಕಾಲುವೆ ವಿಧಾನ.
5	ಮುಖ್ಯ ಹೊಲವನ್ನು ತಯಾರು ಮಾಡುವುದು ಮತ್ತು ನಾಟಿ	10 ಟನ್ ಕೊಟ್ಟಿಗೆ ಗೊಬ್ಬರ ಅನ್ನು ಅನ್ವಯಿಸಿ ನಂತರ ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಬೆರೆಸಲು ಹ್ಯಾರೋಯಿಂಗ್ ಮಾಡಿ. ಬಿತ್ತನೆ ಕಾಲುವೆಗಳನ್ನು ರೂಪಿಸಿ ಬಿತ್ತನೆ ಕಾಲುವೆಗಳಲ್ಲಿ ಮೂಲ ಪ್ರಮಾಣದ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳನ್ನು ಅನ್ವಯಿಸಿ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರವನ್ನು ಮುಚ್ಚಿ ಬಿತ್ತನೆಯ ಎರಡು ದಿನ ಮೊದಲು ಹೊಲಕ್ಕೆ ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಿ. ಪ್ರತಿ ಗುಂಡಿಗೆ ಎರಡು ಬೀಜಗಳನ್ನು ಊರಿ, ಶೀಘ್ರ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಮೊಳಕೆಗಾಗಿ ತಕ್ಷಣ ಹಗುರವಾಗಿ ನೀರು ಹಾಯಿಸಿ
6	ಅಂತರ	ಸಾಲಿನಿಂದ ಸಾಲಿಗೆ (ಕಾಲುವೆ) 200-240 ಸೆಂ.ಮೀ ಗಿಡದಿಂದ-ಗಿಡ: 45 ಸೆಂ.ಮೀ
7	ಬಿತ್ತನೆಯ ಮೊದಲು ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ	ಕ್ಯಾಪ್ಟಾನ್ 2 ಗ್ರಾಂ/ಕೆಜಿ ಯೊಂದಿಗೆ ಬೀಜೋಪಚಾರ
8	ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು	ಬಿತ್ತಿದ 20-25 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಮೊದಲ ಮೇಲುಗೊಬ್ಬರ: 50 ಕೆಜಿ N ಮೊದಲ ಮೇಲುಗೊಬ್ಬರದ 20–25 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಎರಡನೇ ಮೇಲುಗೊಬ್ಬರ: 20 ಕೆ.ಜಿ. N
9	ನೀರಾವರಿ ವೇಳಾಪಟ್ಟಿ	ಮಣ್ಣಿನ ಪ್ರಕಾರವನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿ ಹೊಲಕ್ಕೆ ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಿ. 5-6 ದಿನಗಳ ಅಂತರದಲ್ಲಿ ಕಡಿಮೆ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ ಮತ್ತು ಆಗಾಗ್ಗೆ ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಿ. ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಹೂಬಿಡುವ ಹಣ್ಣಿನ ಹಂತದಲ್ಲಿ ಬೇರಿನ ವಲಯದಲ್ಲಿ ಸಾಕಷ್ಟು ತೇವಾಂಶವನ್ನು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ
10	ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವಿಕೆ / ಅಂತರ ಬೇಸಾಯ	ಎರಡು ಬಾರಿ ಕೈಯಿಂದ ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು ಅಗತ್ಯವಿದೆ. ಹೊಲಗಳನ್ನು ಕಳೆ ರಹಿತವಾಗಿರಿಸಿ. ಬಿತ್ತನೆಯ 30 ಮತ್ತು 60 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಮಣ್ಣು ಹಾಕುವುದು.
11	ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳು/ಬೆಳವಣಿಗೆ ನಿಯಂತ್ರಕ ಸಿಂಪಡಣೆಗಳು	ಹೂ ಬಿಡುವ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಕಾಯಿ ಕಟ್ಟುವಿಕೆ ಹೆಚ್ಚಿಸಲು ಕ್ಯಾಲ್ಸಿಯಂ ನೈಟ್ರೇಟ್ (1% ದ್ರಾವಣ) ಸಿಂಪಡಿಸಿ
12	ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣ	ಪುಡಿ ಶಿಲೀಂಧ್ರ: ಟೆಬುಕೊನಜೋಲ್ 50% + ಟ್ರೈಫ್ಲೋಕ್ಸಿಸ್ಟ್ರೋಬಿನ್ 25% WG (0.5 ರಿಂದ 1 gm ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಅಥವಾ ಕ್ಲೋರೊಥಾಲೋನಿಲ್ 75% WP 1.0 ml/ಲೀಟರ್ ಡೌನಿ ಶಿಲೀಂಧ್ರ: ಟೆಬುಕೊನಜೋಲ್ 50% + ಟ್ರಿಫ್ಲಾಕ್ಸಿಸ್ಟ್ರೋಬಿನ್ 25% WG (0.5 ರಿಂದ 1 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಎಲೆ ತಿನ್ನುವ ಕೀಟ: ಅಬಾಮೆಕ್ಟಿನ್ 1.8% EC (0.5 ರಿಂದ 1 ಮಿ.ಲೀ/ಲೀಟರ್), ಕೆಂಪು ಕುಂಬಳಕಾಯಿ ಜೀರುಂಡೆ: ಡೆಲ್ಟಾಮೆಥ್ರಿನ್ 5.56% w/w SC (0.5 ಮಿ.ಲೀ/ಲೀಟರ್) ಥ್ರಿಪ್ಸ್/ಗಿಡಹೇನುಗಳು: ಫ್ಲೋನಿಕಾಮಿಡ್ 50% WG (0.5 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಫ್ಯೂಸೇರಿಯಮ್ ಬಾಡುವಿಕೆ: ಕಾರ್ಬೆಂಡಜಿಮ್ (1 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ನೊಂದಿಗೆ ನೆನೆಸಿ ಹಣ್ಣಿನ ನೊಣ: ಫೆರೋಮೋನ್ ಬಲೆಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ. ಡೆಲ್ಟಾಮೆಥ್ರಿನ್ 1 ಮಿ.ಲೀ/ಲೀಟರ್ ಹೊಲದಲ್ಲಿ ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣದ ಕುರಿತು ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಗಳನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.
13	ಕೊಯ್ಲು	ಹೂ ಬಿಟ್ಟ 40 - 55 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಹಣ್ಣುಗಳು ಕಟಾವಿಗೆ ಸಿದ್ಧವಾಗುತ್ತವೆ. ಹಣ್ಣಿಗೆ ಹತ್ತಿರವಿರುವ ಸಣ್ಣ ಕಾಂಡ ಒಣಗುವುದು ಹಣ್ಣು ಮಾಗಿದ ಸಂಕೇತವಾಗಿದೆ.
14	ನಿರೀಕ್ಷಿತ ಇಳುವರಿ	ಉತ್ತಮ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳಲ್ಲಿ ಉತ್ತಮವಾಗಿ ನಿರ್ವಹಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ಬೆಳೆಯಿಂದ 20-25 ಟನ್‌ಗಳಷ್ಟು ಹಣ್ಣುಗಳು.
17	ಶೇಖರಣೆ	ತಂಪಾದ, ಒಣ ಪ್ರದೇಶದಲ್ಲಿ 3 ವಾರಗಳವರೆಗೆ ಕೋಣೆಯ ಉಷ್ಣಾಂಶದಲ್ಲಿ (50-60°F, 10-15°C) ಇರಿಸಿ
18	ಮಾಡಬೇಡಿ	ಅತಿಯಾದ ನೀರಾವರಿ ಮತ್ತು ಸಾಲಿನಿಂದ ಸಾಲಿಗೆ ಕಡಿಮೆ ಅಂತರದೊಂದಿಗೆ ಹತ್ತಿರದ ನಾಟಿ.
19	ಮಾಡಬೇಕಾದವು	ಸಾಕಷ್ಟು ನೀರು ಒದಗಿಸಿ. ಸರಿಯಾದ ಪಕ್ವತೆಯ ಹಂತದಲ್ಲಿ ಕಟಾವು ಮಾಡಿ
ಸೂಚನೆ	ಮೇಲಿನ ಮಾಹಿತಿಯು ಸಾಮಾನ್ಯ ಸಲಹೆಯಾಗಿದೆ. ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ವಿಶೇಷ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ರಾಜ್ಯ ಕೃಷಿ ಇಲಾಖೆಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.	
ಎಚ್ಚರಿಕೆಗಳು	ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಇಳುವರಿಯು ವಿವಿಧ ಅಂಶಗಳಿಂದ ಪ್ರಭಾವಿತವಾಗಬಹುದು. ಆದ್ದರಿಂದ, ಸಲಹೆಗಾಗಿ ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳನ್ನು ಮಾತ್ರ ಬಳಸಲಾಗಿದೆ ಎಂದು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಬೀಜಗಳು, ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ಖರೀದಿಯ ಬಿಲ್‌ಗಳನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.	

CRYSTAL
Inspiring Growth

I&B Seeds
INDUS SEEDS | SEED PLANT SCIENCE

పుచ్చకాయలో - పాటించవలసిన ఆచరణల పాకేజి

శుభాకాంక్షలు! క్రిస్టల్ కుటుంబము యొక్క అత్యంత ఉత్తమమైన పుచ్చకాయ విత్తనాల్లో ఒకదానిని మీరు ఎంచుకున్నారు. ఉత్తమ-నాణ్యత కలిగిన పుచ్చకాయ విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేయడములో క్రిస్టల్ కి చాలా అనుభవము వుంది. ఈ విత్తనాలు విస్తారముగా చేసిన పరిశోధన యొక్క ఫలితము, వీటిని వివిధ వ్యవసాయ వాతావరణాలకి అనుకూలముగా అధిక-దిగుబడి ఇవ్వడమనే ఉద్దేశ్యముతో రూపొందించడము జరిగినది. రైతులకు అత్యధిక నాణ్యత కలిగిన విత్తనాలను అందించడానికి విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేసే సమయములో క్రిస్టల్ అత్యాధునిక టెక్నాలజీలను పాటిస్తుంది. క్రిస్టల్ పుచ్చకాయ విత్తనాలు బయోటిక్ & ఏబయోటిక్ వత్తిడికి తట్టుకునే సామర్థ్యముతో అద్భుతమైన మొలకెత్తే తత్వాలను & మెరుగైన బలమును కలిగివుంటాయి.
అద్భుతమైన దిగుబడి కొరకు దయచేసి ఉత్తమమైన వ్యవసాయ ఆచరణలను పాయించండి. క్రింద సాధారణ సూచనలు ఇవ్వబడ్డాయి, కాబట్టి ఏవైనా నిర్ణయాలు తీసుకునే ముందు ఈ సూచనలను చదవాలని మేము మిమ్మల్ని అభ్యర్థిస్తున్నాము.

హైబ్రిడ్ పుచ్చకాయ	**బ్లాక్ బాస్, బ్లాక్ బాస్ , బ్లాక్ క్వీన్ ప్లస్, బ్లాక్ సుప్రియమ్మో , కావేరి, విత్తిబా**	**గ్రీన్ వండర్ , సింబా**	**యెల్లో బేబి**									
కాలము పరిమితి	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS								
ఖరీఫ్	అవును	అవును	అవును	అవును								
రబీ	అవును (100-107)	అవును (100-107)	అవును (97-107)	అవును (100-107)								
వసంత కాలము	అవును	అవును	అవును	అవును								
నీటి పారుదల వనరు	బోర్ బావి	బోర్ బావి	బోర్ బావి	బోర్ బావి								

దయచేసి గమనించండి వాతావరణ పరిస్థితుల ఆధారముగా పంట ఎదుగుదల & పక్వము కాలము మారవచ్చు

క్ర. సం.	**వివరాలు/ఆపరేషన్లు/ఆచరణలు**	**ఆపరేషన్ వివరాలు. ఎకరానికి ఇన్పుట్**
1	ప్రాంతము యొక్క అనుకూలత/వ్యవసాయ-వాతావరణ జోన్	వెచ్చని పగళ్ళు మరియు చల్లని రాత్రులు కలిగిన పొడి వేడి వాతావరణము పిచ్చకాయకి అవసరము. పుచ్చకాయలు మంచు మరియు తక్కువ ఉష్ణోగ్రతలను తట్టుకోలేవు
2	భూమి. మట్టి	బాగా నీరు ఇంకే ఇసుక లోమీ మరియు ఒండ్రు మట్టి నేలలు. మట్టి Ph 5.5 నుంచి 6.5 మధ్య అనుకూలము.
3	కాలము. విత్తే/నాటే సమయము	దక్షిణ భారతదేశములో జూన్-అక్టోబర్ మరియు ఫిబ్రవరి-ఏప్రిల్. ఉత్తర మరియు పడమర భారతదేశములో జులై-ఆగస్ట్ మరియు ఫిబ్రవరి-మార్చి, తూర్పు భారతదేశములో జూన్-జులై
4	విత్తనము రేట్. విత్తే/నాటే పద్ధతి.	300-350 గ్రాములు/ఎకరానికి, కాలువ పద్ధతి.
5	ప్రధానమైన పొలమును తయారు చేయడము మరియు నాటడము	డికంపోజ్ చేసిన ఎఫ్వైఎం 10 టన్నులు అప్లై చేయండి తరవాత దుక్కి దున్నడము వలన అది మట్టిలో బాగా కలుస్తుంది. *నాటే కాలువలను ఏర్పాటు చేయండి *నాటే కాలువల్లో ఫర్టిలైజర్ల బేసల్ డోస్ అప్లై చేయండి మరియు ఫర్టిలైజరుని కవర్ చేయండి *విత్తడానికి రెండు రోజుల ముందు పొలముకి నీటిని పెట్టండి. *గుంటకి రెండు విత్తనాలు పెట్టండి, త్వరగా మరియు మెరుగుగా మొలకెత్తడము కోసం వెంటనే తేలికగా నీటిని పెట్టండి
6	ఖాళీ ఇవ్వడము	రో నుంచి రో (కాలువ) 200-240cm; మొక్క నుంచి మొక్క: 45cm
7	విత్తే ముందు విత్తనమును శుద్ధి చేయడము	విత్తనమును కాప్తాన్ 2 గ్రాములు/కిలో తో శుద్ధి చేయండి
8	ఎరువులు మరియు ఫర్టిలైజర్లు	*విత్తే ముందు బేసల్ డోస్: 30:50:50 కిలోల NPK * నాటిన 20-25 రోజుల తరవాత మొదటి టాప్ డ్రెస్సింగ్: 50 కిలోల N * మొదటి టాప్ డ్రెస్సింగ్ తరవాత 20-25 రోజులకి రెండవ టాప్ డ్రెస్సింగ్: 20 కిలోల N
9	నీటి పారుదల షెడ్యూల్	మట్టి రకమును బట్టి పొలముకి నీటిని పెట్టండి. 5-6 రోజుల వ్యవధిలో తేలికగా మరియు తరచూ నీరు పెట్టండి. పళ్ళకి పూలు వచ్చే దశలో మొక్కల వేళ్ళ దగ్గర సరిపడిన తేమ వుండేలా ధృవీకరించుకోండి
10	కలుపు మొక్కలు తొలగించడము/అంతర్గత కల్టివేషన్	చేతితో కలుపు మొక్కలను రెండు దఫాలుగా తొలగించాలి. ఫ్లాట్లను కలుపు మొక్కలు లేకుండా వుంచండి. విత్తిన 30 మరియు 60 రోజుల తరవాత మొక్కల మొదళ్ళలోని మట్టిని ఎత్తు చేయండి.
11	సూక్ష్మపోషకము/ఎదుగుదల రెగ్యులేటర్ స్ప్రేలు	పూలు పూసే దశలో పళ్ళు ఏర్పడడము పెంచడానికి కాల్షియం నైట్రేట్ (1% ద్రావకము) పిచికారీ చేయండి
12	చీడ మరియు తెగులు కంట్రోల్	బూడిద తెగులు: టెబుకునజోల్ 50% + ట్రిఫ్లోక్సిస్ట్రోబిన్ 25% WG (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 గ్రాములు) లేదా క్లోరోథానిల్ 75% WP లీటరు/1.0 ml డౌనీ బూజు తెగులు: టెబుకునజోల్ 50% + ట్రిఫ్లోక్సిస్ట్రోబిన్ 25% WG (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 గ్రాములు) ఆకు తొలుచు పురుగు: అబామెక్టిన్ 1.8% EC (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 ml), ఎర్ర గుమ్మడి పెంకు పురుగు: డెల్టామెథ్రిన్ 5.56 % w/w SC (లీటరు/0.5 ml) తామర పురుగు/పేను బంక: ఫ్లోనికామిడ్ 50 % WG (లీటరు/0.5 ml) ఫ్యుజారియమ్ ఎండు తెగులు: కార్బెండాజిమ్ తో డ్రెంచ్ చేయండి (లీటరు/1 గ్రా) పండు ఈగ: ఫెరమోన్ ట్రాప్లను ఉపయోగించండి. డెల్టా మిథ్రిన్ లీటరు/1ml పొలములో తెగులు & చీడల కంట్రోలు మీద అదనపు సమాచారము కొరకు, దయచేసి మీ స్థానిక వ్యవసాయ ఆఫీసరును సంప్రదించండి.
13	కోత	పూలు ఏర్పడిన 40-55 రోజులకి పళ్ళు కోతకి సిద్ధముగా వుంటాయి. పండు దగ్గరగా వున్న తీగ ఎండిపోవడము అనేది అది పక్వముకి వచ్చిందన్న దానికి సంకేతము.
14	ఆశించే దిగుబడి	సరైన పరిస్థితులలో బాగా మేనేజ్ చేసిన పంటకి 20-25 టన్నుల పళ్ళు లభిస్తాయి.
17	స్టోర్ చేయడము	వీటిని గది ఉష్ణోగ్రత (50-60°F, 10-15°C) వద్ద చల్లని, పొడి ప్రాంతములో 3 వారాలు వుంచండి
18	చేయకూడనివి	అధికముగా నీరు పెట్టడము మరియు రో నుంచి రో మధ్యలో తక్కువ ఖాళీతో దగ్గర దగ్గరగా నాటడము.
19	చేయవలసినవి	సరిపడిన నీటిని అందించండి. సరైన పక్వము దశలో కోత కోయండి
గమనిక	పైన చెప్పబడిన సమాచారము సాధారణ సలహాలు మాత్రమే. ప్రత్యేక ప్రాంతాలకి సంబంధించిన ప్రత్యేకమైన సూచనల కొరకు, దయచేసి మీ రాష్ట్ర స్థానిక వ్యవసాయ శాఖను సంప్రదించండి.	
జాగ్రత్తలు	పంటల ఎదుగుదల మరియు దిగుబడి పలు కారణాల వలన ప్రభావితము అవుతుంది. కాబట్టి, మీ స్థానిక వ్యవసాయ అధికారిని సలహా కొరకు సంప్రదించాలని సూచించడము జరిగింది. కేవలము అధిక-నాణ్యత కలిగిన ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనులు మాత్రమే ఉపయోగించబడ్డాయని ధృవీకరించుకోండి. విత్తనాలు, ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనుల కొనుగోలు బిల్లులను మీ వద్ద వుంచుకోండి.	

தர்பூசணி - பயிரிடுதலுக்கான வழிகாட்டுதல்கள் மற்றும் தொழில்நுட்பங்கள்

வாழ்த்துகள்! நீங்கள் கிரிஸ்டல் குடும்பத்திலிருந்து சிறந்த தர்பூசணி விதைகளில் ஒன்றைத் தேர்ந்தெடுத்துள்ளீர்கள். கிரிஸ்டல் நிறுவனம் உயர்தர தர்பூசணி விதைகளை உற்பத்தி செய்வதில் சிறந்த அனுபவத்தைக் கொண்டுள்ளது. இந்த விதைகள், பரவலான விவசாயக் காலநிலைகளுக்கு பொருந்தும் வகையில், அதிக மகசூல் தரும் கலப்பு பயிர்களை உருவாக்குவதற்கான பரந்த ஆராய்ச்சியின் விளைவு ஆகும். கிரிஸ்டல், விவசாயிகள் மிக உயர் தரமான விதைகளைப் பெறுவதை உறுதி செய்வதற்காக விதை தயாரிப்பின் போது நவீன தொழில்நுட்பங்களைப் பயன்படுத்துகிறது. கிரிஸ்டலின் தர்பூசணி விதைகள் உயிரி சார் & உயிரி சாரா சூழல்களில் தாக்கு பிடிக்கும் வகையில் மிகச் சிறந்த முளைத்தல் & வலிமை கொண்டவை.
மிகச் சிறந்த மகசூலைப் பெற, சிறந்த விவசாய நடைமுறைகளை மேற்கொள்ளுங்கள். பின்வரும் பொதுவான பரிந்துரைகள் வழங்கப்பட்டுள்ளது. எனவே, ஏதேனும் முடிவுகளை மேற்கொள்ளும் முன் இந்தப் பரிந்துரைகளைப் படிக்குமாறு கேட்டுக்கொள்கிறோம்.

கலப்பின தர்பூசணி	பிளாக் பாஸ், பிளாக் ஜம்போ, Hyb. பூமா	பிளாக் பாஸ்_ _, பிளாக் குயின்பிளஸ்_, பிளாக் குயின் ,	க்ரீன் வண்டர், Hyb. சிம்பா	யேல்லோ பேபி								
காலம்	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS								
காரீப்	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்								
ராபி	ஆம்(100-107)	ஆம் (100-107)	ஆம் (97-107)	ஆம் (100-107)								
வசந்த காலம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்								
பாசன ஆதாரம்	போர்வெல்	போர்வெல்	போர்வெல்	போர்வெல்								

வானிலை சூழல்களைப் பொறுத்து பயிர் வளர்ச்சி & முதிர்ச்சி மாறுபடலாம் என்பதைக் கவனத்தில் கொள்ளுங்கள்

வ.எண்.	விவரங்கள் / செயல்பாடுகள் / செய்முறை	செயல்முறைக்கான விவரங்கள். ஒரு ஏக்கருக்கான உர உள்ளீடு
1	பொருந்துகின்ற பரப்பளவு/விவசாய-காலநிலை மண்டலம்	தர்பூசணிக்கு, வறண்ட மற்றும் வெப்பமான வானிலையுடன் கூடிய வெப்பமான பகல்கள் மற்றும் குளிர்ந்த இரவுகளுக்கு மிகவும் தேவைப்படுகிறது. தர்பூசணி பயிர் உறைபனி மற்றும் குளிர் காலநிலையை பொறுத்துக்கொள்ளாது.
2	நிலம். மண்	நீர் தேங்காத மணற்பாங்கான பசளை மற்றும் வண்டல் மண். மண்ணின் pH 5.5 முதல் 6.5 இருத்தல் நல்லது.
3	பருவம். விதைத்தல்/நாற்று நடுவதற்கான நேரம்	தென்னிந்தியாவில் ஜூன் முதல் அக்டோபர் வரை மற்றும் பிப்ரவரி முதல் ஏப்ரல் வரை. வடக்கு மற்றும் மேற்கு இந்தியாவில் ஜூலை-ஆகஸ்ட் மற்றும் பிப்ரவரி-மார்ச், கிழக்கு இந்தியாவில் ஜூன்-ஜூலை
4	விதை விகிதம். விதைத்தல்/நாற்று நடும் முறை.	300-350 கிராம்/ஏக்கர், கால்வாய் முறை.
5	பிரதான நிலம் மற்றும் நாற்று நடுவதற்கான தயாரிப்பு	10 டன்கள் சிதைந்த தொழு உரம் (FYM) உரத்தை போட்டு அவை மண்ணில் கலக்க நிலத்தை நன்றாக பண்படுத்துங்கள். * விதைப்பு கால்வாய்களை உருவாக்குங்கள் * விதைப்பு கால்வாய்களில் உரங்களின் அடி அளவை போட்டு உரத்தை மூடி விடுங்கள் * விதைப்பிற்கு இரண்டு நாட்கள் முன் நிலத்தில் நீர் பாய்ச்சுங்கள். * ஒரு மேட்டுக்கு இரண்டு விதையை ஊன்ற வேண்டும், விரைவான மற்றும் சிறந்த முளைத்தலுக்கு உடனடியாக லேசாக நீர் பாய்ச்ச வேண்டும்.
6	இடைவெளி	ஒரு கிலோவிற்கு கேப்டான் 2 கிராம் விதை நேர்த்தி செய்தல்.
7	விதைப்பதற்கு முன்பான விதை தயாரிப்பு	ஒரு கிலோவிற்கு கேப்டான் 2 கிராம் விதை நேர்த்தி செய்தல்.
8	எருக்கள் மற்றும் உரங்கள்	* விதைப்பதற்கு முந்தைய அடி உரம் : 30:50:50 என்பிகே (NPK) * விதைத்த 20-25 நாட்களுக்குப் பிறகு முதல் மேலுரமாக: 50 கிலோ N * இரண்டாவது மேல் உரமிடுதல் முதல் உரமிட்ட பின் 20-25 நாட்கள் கழித்து: 20 கிலோ N
9	பாசன அட்டவணை	மண் வகையைப் பொறுத்து நிலத்தில் நீர் பாய்ச்சுங்கள். 5-6 நாட்களுக்கு ஒரு முறை அடிக்கடி மற்றும் லேசான நீர்ப்பாசனம் செய்யுங்கள். பூ, பழம் வைக்கும் நிலையில், வேர் பகுதியில் போதுமான ஈரப்பதம் இருப்பதை உறுதி செய்யுங்கள்
10	களை நீக்கம்/ ஊடு பயிரிடுதல்	இரண்டு கைகளால் களைகள் பறிக்கப்பட வேண்டும். நிலத்தில் களைகள் இல்லாமல் வைத்திடுங்கள். விதைத்த 30 மற்றும் 60 நாட்களுக்குப் பிறகு மண்ணைக் குவித்திடுங்கள்.
11	நுண் ஊட்டச்சத்து/வளர்ச்சியை ஒழுங்குபடுத்தும் தெளிப்புகள்	பூக்கும் போது 1% கால்சியம் நைட்ரேட் கரைசலை தெளிப்பதன் மூலம் பழம் உருவாவதை ஊக்குவிக்கவும்.
12	பூச்சி மற்றும் நோய் கட்டுப்பாடு	சாம்பல் நோய்: டெபுகோனசோல் 50% + டிரைபிளாக்சிஸ்ட்ரோபின் 25% டபிள்யுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 கிராம்) அல்லது குளோரோதலோனில் 75% டபிள்யுபி (WP) லிட்டருக்கு 1.0 மிலி அடிச்சாம்பல் நோய்: டெபுகோனசோல் 50% + டிரைபிளாக்சிஸ்ட்ரோபின் 25% டபிள்யுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 கிராம்) இலை துளைப்பான்: அபாமெக்டின் 1.8% இசி (EC) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 மிலி), சிவப்பு பூசணி வண்டு: டெல்டாமெத்ரின் 5.56% w/w எஸ்சி (SC) (லிட்டருக்கு 0.5 மிலி) இலைப்பேன்கள் / செடிப்பேன்கள் : ஃப்ளோனிகாமிட் 50% WG (லிட்டருக்கு 0.5 கிராம்) பியூசேரியம் வாடல் நோய்: கார்பன்டாசிம்-இல் முக்கி எடுங்கள் (லிட்டருக்கு 1 கிராம்) பழ ஈ: பெரோமோன் டிராப்களைப் பயன்படுத்துங்கள். டெல்டா மெத்ரின் லிட்டருக்கு 1 மிலி <u>நிலத்தில் பூச்சிகள் & நோய் தடுப்பு பற்றி மேலும் அறிய, உங்கள் உள்ளூர் விவசாய அலுவலர்களுடன் ஆலோசியுங்கள்.</u>
13	அறுவடை	பூத்த 40-55 நாட்களுக்குப் பிறகு பழங்கள் அறுவடைக்குத் தயாராக இருக்கும். பழத்தின் அருகே உள்ள கொடி காய்ந்து இருப்பது பயிர் முதிர்ச்சிக்கான அறிகுறி ஆகும்.
14	எதிர்பார்க்கப்படும் மகசூல்	சரியான பராமரிப்பு செய்யப்பட்ட பயிர், சாதகமான நிலைகளில் 20-25 டன் பழங்களை மகசூலாக தரும்.
17	சேமிப்பகம்	அறை வெப்பநிலையில் (50-60°F, 10-15°C) ஒரு குளிர்ந்த, உலர்ந்த இடத்தில் 3 வாரங்கள் வரை சேமிக்கலாம்.
18	செய்யக்கூடாதவை	அதிக பாசனம் மற்றும் வரிசை முதல் வரிசை வரை குறைவான இடைவெளியுடன் நடவு செய்தல்.
19	செய்ய வேண்டியவை	போதுமான நீர் பாய்ச்சுங்கள். சரியான முதிர்வு நிலையில் அறுவடை செய்யுங்கள்.
குறிப்பு	மேற்கண்ட தகவல் ஒரு பொதுவான அறிவுறுத்தல். குறிப்பிட்ட பகுதிக்கான தனிப்பட்ட பரிந்துரைகளுக்கு, உங்களது மாநிலத்தில் இருக்கும் உள்ளூர் விவசாயத் துறையைத் தொடர்பு கொள்ளுங்கள்.	
முனனெசசரிக்கை நடவடிக்கைகள்	பல்வேறு காரணிகளால், பயிர் வளர்ச்சி மற்றும் மகசூல் பாதிக்கப்படலாம். எனவே, ஆலோசனைக்காக உங்கள் உள்ளூர் விவசாய அலுவலரைச் சந்தித்து பேசுவது பரிந்துரைக்கப்படுகிறது. உயர் தர உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் மட்டுமே பயன்படுத்தப்படுகிறது என்பதை உறுதி செய்யுங்கள். விதைகள், உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் வாங்கிய ரசீதுகளைத் தக்க வைத்துக்கொள்ளுங்கள்.	

ਤਰਬੂਜ਼ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਦੇ ਤਰੀਕੇ

ਵਧਾਈਆਂ ਹੋਣ! ਤੁਸੀਂ ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਪਰਿਵਾਰ ਵਿੱਚੋਂ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਤਰਬੂਜ਼ ਦੇ ਬੀਜਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਬੀਜ ਚੁਣਿਆ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕੰਪਨੀ ਕੋਲ ਉੱਚ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਤਰਬੂਜ਼ ਦੇ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਭਰਪੂਰ ਤਜਰਬਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੀਜ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਧ ਰਹੇ ਮੌਸਮਾਂ ਲਈ ਵਾਜਬ ਉੱਚ-ਉਪਜ ਦੇਣ ਵਾਲੀਆਂ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਫਸਲਾਂ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਵਿਆਪਕ ਖੋਜ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹਨ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਬੀਜ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ ਦੌਰਾਨ ਨਵੀਨਤਮ ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਅਪਣਾਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਈ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਬੀਜ ਮਿਲ ਸਕਣ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਦੇ ਤਰਬੂਜ਼ ਦੇ ਬੀਜਾਂ ਵਿੱਚ ਉਗਣ ਦੀ ਉੱਚ ਸਮਰੱਥਾ, ਬੂਟਿਆਂ ਦਾ ਮਜ਼ਬੂਤ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਰੋਗ ਅਤੇ ਵਾਤਾਵਰਣ ਦੇ ਤਣਾਅ ਪ੍ਰਤੀ ਚੰਗੀ ਸਹਿਣਸ਼ੀਲਤਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।
ਚੰਗੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਖੇਤੀ ਅਭਿਆਸਾਂ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰੋ। ਹੇਠਾਂ ਕੁਝ ਆਮ ਸੁਝਾਅ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਲੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹੋ।

ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਤਰਬੂਜ਼	ਬ੍ਰਲੈਕ ਬਾਸ' ਬ੍ਰਲੈਕ ਜੰਬੋ' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਪਗੁਮਾ	ਗ੍ਰੀਨ ਵੰਡਰ' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਸਿਬਾ	ਯੋਲੋ ਬੇਬੀ	ਯੋਲੋ ਬੇਬੀ								
ਮਿਆਦ	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS								
ਖ਼ਰੀਫ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ								
ਰਬੀ	ਹਾਂ(100-107)	ਹਾਂ (97-107)	ਹਾਂ (100-107)	ਹਾਂ (100-107)								
ਸਪ੍ਰਿੰਗ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ								
ਸਿੰਚਾਈ ਦਾ ਸਰੋਤ	ਬੋਰਵੈੱਲ	ਬੋਰਵੈੱਲ	ਬੋਰਵੈੱਲ	ਬੋਰਵੈੱਲ								

ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਧਿਆਨ ਦਿਓ ਕਿ ਫਸਲ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਪਰਿਪੱਕਤਾ ਮੌਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।

ਸੀਰੀਅਲ ਨੰ.	ਵੇਰਵੇ/ਕਾਰਜ/ਅਭਿਆਸ	ਕੰਮਕਾਜ ਦੇ ਵੇਰਵੇ। ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਇਨਪੁਟ
1	ਖੇਤੀਬਾੜੀ-ਜਲਵਾਯੂ ਖੇਤਰ ਅਤੇ ਸਥਾਨ ਦੀ ਅਨੁਕੂਲਤਾ	ਤਰਬੂਜ਼ ਲਈ ਸੁੱਕਾ ਤੇ ਗਰਮ ਮੌਸਮ ਉਚਿਤ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਦਿਨ ਗਰਮ ਅਤੇ ਰਾਤਾਂ ਠੰਢੀਆਂ ਹੋਣ। ਤਰਬੂਜ਼ ਕੋਰੇ ਅਤੇ ਘੱਟ ਤਾਪਮਾਨ ਨੂੰ ਬਰਦਾਸ਼ਤ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ।
2	ਜ਼ਮੀਨ। ਮਿੱਟੀ	ਚੰਗੀ ਨਿਕਾਸ ਵਾਲੀ ਰੇਤਲੀ ਦੋਮਟ ਅਤੇ ਜਲੋੜ ਵਾਲੀ ਮਿੱਟੀ। ਮਿੱਟੀ ਦਾ ਆਦਰਸ਼ Ph 5.5 ਤੋਂ 6.5 ਹੈ।
3	ਮੌਸਮ। ਬਿਜਾਈ/ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਸਮਾਂ	ਦੱਖਣੀ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਜੂਨ ਤੋਂ ਅਕਤੂਬਰ ਅਤੇ ਫ਼ਰਵਰੀ ਤੋਂ ਅਪ੍ਰੈਲ ਤੱਕ। ਉੱਤਰੀ ਅਤੇ ਪੱਛਮੀ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਜੁਲਾਈ ਤੋਂ ਅਗਸਤ ਅਤੇ ਫਰਵਰੀ ਤੋਂ ਮਾਰਚ, ਅਤੇ ਪੂਰਬੀ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਜੂਨ ਤੋਂ ਜੁਲਾਈ।
4	ਬੀਜ ਦੀ ਦਰ। ਬਿਜਾਈ/ਲਾਉਣ ਦਾ ਤਰੀਕਾ।	300-350 g/ਏਕੜ, ਕੈਨਾਲ ਮੈਥਡ।
5	ਮੁੱਖ ਖੇਤ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਅਤੇ ਬਿਜਾਈ	10 ਟਨ ਸੜੀ ਹੋਈ ਰੂੜੀ ਪਾਓ ਅਤੇ ਇਸ ਲਈ ਹਲ ਵਾਹੋ ਤਾਂ ਜੋ ਇਹ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਰਲ ਜਾਵੇ। * ਬੀਜ ਬੀਜਣ ਲਈ ਚੈਨਲ ਬਣਾਓ * ਬਿਜਾਈ ਵਾਲੇ ਚੈਨਲਾਂ ਵਿੱਚ ਖਾਦ ਨੂੰ ਮੁੱਢਲੀ ਖੁਰਾਕ ਵਜੋਂ ਪਾਓ ਅਤੇ ਮਿੱਟੀ ਨਾਲ ਢੱਕ ਦਿਓ। * ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਦੋ ਦਿਨ ਪਹਿਲਾਂ ਖੇਤ ਦੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ। * ਪ੍ਰਤੀ ਟਿੱਲਾ ਦੋ ਬੀਜ ਬੀਜੋ, ਜਲਦੀ ਅਤੇ ਬਿਹਤਰ ਪੁੰਗਰਣ ਲਈ ਤੁਰੰਤ ਹਲਕੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ।
6	ਬੂਟਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ ਦੂਰੀ	ਕਤਾਰ ਤੋਂ ਕਤਾਰ (ਕੈਨਾਲ) 200-240 cm; ਬੂਟੇ ਤੋਂ ਬੂਟੇ ਦਾ ਫਾਸਲਾ: 45 cm
7	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬੀਜ ਦਾ ਉਪਚਾਰ	ਬੀਜ ਦਾ ਇਲਾਜ ਕੈਪਟਨ ਨਾਲ: 2 g/kg
8	ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਰਸਾਇਣਿਕ ਖਾਦ	* ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਮੂਲ ਖੁਰਾਕ: 30:50:50 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ NPK *ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 20-25 ਦਿਨ ਬਾਅਦ, ਖਾਦ ਦੀ ਪਹਿਲੀ ਖੁਰਾਕ: 50kg N * ਪਹਿਲੀ ਚੋਟੀ ਤੋਂ 20-25 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਦੂਜੀ ਚੋਟੀ ਦੀ ਡਰੈਸਿੰਗ: 20 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ N
9	ਸਿੰਚਾਈ ਦੀ ਸਮਾਂ-ਸਾਰਣੀ	ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਕਿਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਖੇਤ ਦੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ। ਹਲਕੀ ਤੇ ਵਾਰੰ-ਵਾਰ ਸਿੰਚਾਈ, 5-6 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਤਰ 'ਤੇ ਇੱਕ ਵਾਰੀ। ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਫੁੱਲਾਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ, ਜੜ੍ਹ ਖੇਤਰ ਦੇ ਆਲੇ-ਦੁਆਲੇ ਕਾਫ਼ੀ ਨਮੀ ਬਣਾਈ ਰੱਖੋ।
10	ਨਦੀਨਾਂ ਦੀ ਰੋਕਥਾਮ/ਅੰਤਰ-ਫਸਲੀ ਖੇਤੀ	ਦੋ ਵਾਰ ਹੱਥ ਨਾਲ ਘਾਹ ਕੱਢਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਕਿਸੇ ਵੀ ਕਿਸਮ ਦੀ ਨਦੀਨ ਨਾ ਉੱਗਣ ਦਿਓ। 30 ਅਤੇ 60 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ, ਬੂਟਿਆਂ ਦੇ ਆਲੇ-ਦੁਆਲੇ ਮਿੱਟੀ ਭਰ ਦਿਓ।
11	ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ/ਵਿਕਾਸ ਰੈਗੂਲੇਟਰਾਂ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ	ਫੁੱਲਾਂ ਆਉਣ ਦੇ ਸਮੇਂ ਫਲਾਂ ਦੀ ਸੰਖਿਆ ਵਧਾਉਣ ਲਈ ਕੈਲਸ਼ੀਅਮ ਨਾਈਟਰੇਟ (1% ਘੋਲ) ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ।
12	ਕੀਟ ਅਤੇ ਰੋਗ ਨਿਯੰਤਰਣ	ਪਾਊਡਰੀ ਫ਼ਫ਼ੂੰਦੀ ਰੋਗ ਲਈ: ਟੈਬੂਕੋਨਾਜ਼ੋਲ 50% + ਟ੍ਰਾਈਫਲੋਕਸੀਸਟ੍ਰੋਬਿਨ 25% WG (0.5 ਤੋਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਜਾਂ ਕਲੋਰੋਥੈਲੋਨਿਲ 75% WP 1.0 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ ਡਾਊਨੀ ਫ਼ਫ਼ੂੰਦੀ ਰੋਗ ਲਈ: ਟੈਬੂਕੋਨਾਜ਼ੋਲ 50% + ਟ੍ਰਾਈਫਲੋਕਸੀਸਟ੍ਰੋਬਿਨ 25% WG (0.5 ਤੋਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਪੱਤੇ ਖਾਣ ਵਾਲੇ ਕੀੜਿਆਂ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ: ਅਬਾਮੇਕਟਿਨ 1.8% EC (0.5-1 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਚੈਂਫ਼ ਪੰਪਕਿਨ ਬੀਟਲ ਲਈ: ਡੈਲਟਾਮੇਥਰਿਨ 5.56 % w/w SC (0.5 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਥ੍ਰਿਪਸ/ਏਫਿਡ ਲਈ: ਫਲੋਨੀਕਾਮਿਡ 50% WG (0.5 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਫਿਊਜ਼ੇਰੀਅਮ ਵਿਲਟ ਰੋਗ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ, ਮਿੱਟੀ ਦਾ ਉਪਚਾਰ ਕਾਰਬੈਂਡਾਜ਼ਿਮ (1 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਨਾਲ ਕਰੋ ਫਲਾਂ ਦੀ ਮੱਖੀ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ: ਫੇਰੋਮੋਨ ਜਾਲ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੋ। 1 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ ਦੀ ਦਰ ਨਾਲ ਫ਼ੈਲਟਾਮੇਥ੍ਰੀਨ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਬਿਮਾਰੀ ਅਤੇ ਨਿਯੰਤਰਣ ਬਾਰੇ ਵਧੇਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ।
13	ਵਾਢੀ	ਫਲਾਂ ਦੀ ਕਟਾਈ ਫੁੱਲਾਂ ਆਉਣ ਤੋਂ 40-55 ਦਿਨ ਬਾਅਦ ਤਿਆਰ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਫਲ ਦੇ ਨਾਲ ਲੱਗਦੇ ਟੈਂਡ੍ਰਿਲ ਦਾ ਸੁੱਕ ਜਾਣਾ, ਇਸਦੇ ਪੱਕੇ ਹੋਣ ਦੀ ਨਿਸ਼ਾਨੀ ਹੈ।
14	ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਝਾੜ	ਵਧੀਆ ਦੇਖਭਾਲ ਅਤੇ ਅਨੁਕੂਲ ਹਾਲਾਤਾਂ ਵਿੱਚ, ਫ਼ਸਲ ਤੋਂ 20-25 ਟਨ ਫਲ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋ ਸਕਦੇ ਹਨ।
17	ਸਟੋਰੇਜ	ਇਸ ਨੂੰ 3 ਹਫ਼ਤਿਆਂ ਤੱਕ ਠੰਢੀ, ਸੁੱਕੀ ਜਗ੍ਹਾ 'ਤੇ ਕਮਰੇ ਦੇ ਤਾਪਮਾਨ (50-60°F, 10-15°C) 'ਤੇ ਰੱਖੋ।
18	ਕੀ ਨਾ ਕਰੋ	ਜ਼ਿਆਦਾ ਸਿੰਚਾਈ ਅਤੇ ਕਤਾਰ ਤੋਂ ਕਤਾਰ ਘੱਟ ਫਾਸਲੇ ਨਾਲ ਬੂਟੇ ਲਗਾਓ।
19	ਕੀ ਕਰੋ	ਬੂਟਿਆਂ ਨੂੰ ਲੋੜੀਂਦਾ ਪਾਣੀ ਦਿਓ। ਫਲ ਪੱਕਣ 'ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕਟਾਈ ਕਰੋ।
ਨੋਟ	ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਿਰਫ਼ ਆਮ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਖਾਸ ਖੇਤਰ ਲਈ ਖਾਸ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਰਾਜ ਦੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰੋ।	
ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ	ਕਈ ਕਾਰਨਾਂ ਕਰਕੇ ਫਸਲਾਂ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਝਾੜ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਸਲਾਹ ਲਈ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨਾਲ ਗੱਲ ਕਰਨ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ ਕਿ ਸਿਰਫ਼ ਚੰਗੀ ਕੁਆਲਿਟੀ ਦੀਆਂ ਖਾਦਾਂ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਬੀਜ, ਖਾਦ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਦੇ ਬਿੱਲਾਂ ਨੂੰ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਰੱਖੋ।	

তরমুজ- চাষের নিয়মাবলি

অভিনন্দন! আপনি ক্রিস্টাল পরিবারের অন্যতম উৎকৃষ্ট তরমুজের বীজগুলি নির্বাচন করেছেন। উচ্চমানের তরমুজ বীজগুলি উৎপাদনে ক্রিস্টালের নির্ভরযোগ্য অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজগুলি ব্যাপক গবেষণার ফলাফল, যার উদ্দেশ্য বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুর উপযোগী, উচ্চফলনশীল হাইব্রিড ফসলের উন্নয়ন। কৃষকেরা যাতে সর্বোচ্চ মানের বীজগুলি পান তা নিশ্চিত করতে উৎপাদনের সময় ক্রিস্টাল সর্বাধুনিক প্রযুক্তিগুলি গ্রহণ করে। ক্রিস্টালের তরমুজ বীজগুলি জীবজ এবং অজীবজ প্রতিকূলতার প্রতি সহনশীলতা সহ উৎকৃষ্ট অঙ্কুরোদগম এবং শক্তিশালী উদ্ভিদের বিকাশ প্রদান করে।
অনুগ্রহ করে চমৎকার ফলন পেতে সর্বোত্তম কৃষি পদ্ধতি গ্রহণ করুন। নিচে কিছু সাধারণ পরামর্শ দেওয়া হল, তাই আমরা আপনাকে বলছি অনুগ্রহ করে কোনো সিদ্ধান্ত নেওয়ার আগে পরামর্শগুলি পড়ুন।

হাইব্রিড তরমুজ	ব্লেক বাস, ব্লেক জংবো, হাইব্রিড. প্যূমা	গ্রীন ভংডর, হাইব্রিড. সিংবা	যেলো বেবী
সময়সীমা	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS
খরিফ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ
রবি	হ্যাঁ (100-107)	হ্যাঁ (97-107)	হ্যাঁ (100-107)
বসন্ত	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ
সেচের উৎস	বোরওয়েল	বোরওয়েল	বোরওয়েল

অনুগ্রহ করে মনে রাখবেন যে আবহাওয়ার পরিস্থিতি অনুযায়ী ফসলের বিকাশ ও পক্কতা আসার সময় ভিন্ন হতে পারে

ক্রমিক নম্বর	বিস্তারিত/ অপারেশন/ পদ্ধতি	প্রতি একর ইনপুটে অপারেশনের বিশদ
1	এলাকার উপযোগিতা/কৃষি-জলবায়ু জোন	তরমুজের জন্য উষ্ণ দিন এবং ঠান্ডা রাত সহ শুষ্ক উষ্ণ জলবায়ু প্রয়োজন। তরমুজ তুষারপাত এবং কম তাপমাত্রা সহ্য করতে পারে না
2	জমি। মাটি	ভালো নিকাশীযুক্ত বালুকাময় মাটি এবং তীরবর্তী মাটি। মাটির 5.5 থেকে 6.5 Ph আদর্শ।
3	ঋতু। বপন/রোপণের সময়	দক্ষিণ ভারতে জুন-অক্টোবর এবং ফেব্রুয়ারি-এপ্রিল। উত্তর এবং পশ্চিম ভারতে জুলাই-আগস্ট এবং ফেব্রুয়ারি-মার্চ, পূর্ব ভারতে জুন-জুলাই
4	বীজের হার। বপন/রোপণের পদ্ধতি।	300-350 গ্রাম/একর, নালা পদ্ধতি।
5	মূল ক্ষেতের প্রস্তুতি এবং রোপণ	মাটিতে মেশানোর জন্য 10 টন পচা FYM প্রয়োগের পর হ্যারোয়িং করুন। * বীজ বপনের জন্য নালা তৈরি করা * বীজ বপনের নালায় বেসাল ডোজ প্রয়োগ করুন এবং সার ঢেকে দিন * বীজ বপনের দুই দিন আগে মাঠে জল দিন। * প্রতি গর্তে দুইটি বীজ লাগান, তৎক্ষণাৎ দ্রুত এবং ভালো অঙ্কুরোদগমের জন্য হালকা সেচ করুন
6	ফাঁক	সারি থেকে সারি (নালা) 200-240সেন্টিমিটার; উদ্ভিদ থেকে উদ্ভিদ: 45সেন্টিমিটার
7	বপনের আগে বীজের পরিচর্যা	বীজকে ক্যাপটন 2 গ্রাম/কেজি দিয়ে প্রক্রিয়াজাত করা
8	জৈব এবং রাসায়নিক সার	* বপনের আগে বেসাল ডোজ: 30:50:50 কেজি NPK * বপনের 20-25 দিন পর প্রথম শীর্ষ ড্রেসিং: 50কেজি N * প্রথম শীর্ষের 20-25 দিন পর দ্বিতীয় শীর্ষ ড্রেসিং: 20 কেজি N
9	সেচের সময়সূচী	মাটির ধরন অনুযায়ী ক্ষেতে সেচ করুন। প্রতি 5-6 দিনের অন্তর একবার হালকা এবং ঘন ঘন সেচ। মূল জোনে পর্যাপ্ত আর্দ্রতা নিশ্চিত করুন বিশেষ করে ফুল ফোটা এবং ফল ধরার সময়
10	আগাছা নিবারণ/ মধ্যশস্য চাষ	দুই হাত দিয়ে আগাছা নিবারণ করা প্রয়োজন। প্লটগুলি আগাছামুক্ত রাখুন। বপনের 30 এবং 60 দিন পর মাটি তুলুন।
11	ক্ষুদ্রপুষ্টি/বিকাশ নিয়ন্ত্রক ছিটান	ফল ধরাকে বৃদ্ধি করতে ফুল ফোটার সময় ক্যালসিয়াম নাইট্রেট (1% সলিউশন) ছিটান
12	কীট এবং রোগ নিয়ন্ত্রণ	পাউডারি মিলডিউ: টেবুকোনাজল 50% + ট্রাইফ্লক্সিস্ট্রোবিন 25% WG (0.5 থেকে 1 গ্রাম প্রতি লিটার) অথবা ক্লোরোথালোনিল 75% WP 1.0 মিলিলিটার/লিটার ডাউনি মিলডিউ: টেবুকোনাজল 50% + ট্রাইফ্লক্সিস্ট্রোবিন 25% WG (0.5 থেকে 1 গ্রাম প্রতি লিটার) লিফ মাইনার: আবামেক্টিন 1.8% EC (0.5 থেকে 1 মিলিলিটার/লিটার), লাল কুমড়োর পোকা: ডেল্টামেথ্রিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলিলিটার/লিটার) থ্রিপস /এফিডস: ফ্লোনিকামিড 50 % WG (0.5 গ্রাম/লিটার) ফিউজেরিয়াম উইল্ট: কারবেনডাজিম দিয়ে ড্রেঞ্চ করুন (1গ্রাম/লিটার) ফলের মাছি: ফেরোমোন ট্র্যাপ ব্যবহার করুন। ডেল্টা মেথ্রিন 1মিলিলিটার/লিটার ক্ষেতের রোগ এবং কীট নিয়ন্ত্রণ সম্পর্কে আরও তথ্যের জন্য, অনুগ্রহ করে আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারদের সঙ্গে পরামর্শ করুন।
13	ফসল কাটা	ফুল ফোটার 40 -55 দিন পর ফসল কাটার জন্য ফল প্রস্তুত। ফলের কাছে থাকা লতাপত্রের শুষ্ক হয়ে যাওয়া পাকা হওয়ার সংকেত।
14	প্রত্যাশিত ফলন	আদর্শ পরিস্থিতিতে যথাযথ ব্যবস্থাপনা ফসল থেকে 20-25 টন ফল পাওয়া যায়।
17	সংরক্ষণ	ফলকে ঘরের তাপমাত্রায় (50-60°F, 10-15°C), শীতল এবং শুষ্ক এলাকায় প্রায় 3 সপ্তাহ পর্যন্ত রাখা যায়
18	করবেন না	অতিরিক্ত সেচ এবং সারি থেকে সারির মধ্যে কম স্থান রেখে ঘন ঘন রোপণ করা।
19	করবেন	পর্যাপ্ত সেচ প্রদান করুন। সঠিক পাকা পর্যায়ে ফসল কাটা
দ্রষ্টব্য	উপরের তথ্যটি একটি সাধারণ পরামর্শ। নির্দিষ্ট এলাকার জন্য বিশেষ সুপারিশের জন্য, অনুগ্রহ করে স্থানীয় রাজ্য কৃষি দপ্তরের সঙ্গে যোগাযোগ করুন।	
সতর্কতা	ফসলের বিকাশ এবং ফলন বিভিন্ন উপাদানের দ্বারা প্রভাবিত হতে পারে। অতএব, পরামর্শের জন্য আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারের সঙ্গে যোগাযোগ করা সুপারিশ করা হচ্ছে। নিশ্চিত করুন যে শুধুমাত্র উচ্চমানের সার এবং কীটনাশক ব্যবহার করা হচ্ছে। বীজ, সার এবং কোটনাশক ক্রয় করার রশিদ রাখুন।	

ତରଭୁଜ-ଉନ୍ନତ କୃଷି ପ୍ରଣାଳୀ

ଅଭିନନ୍ଦନ! ଆପଣ କ୍ରିଷ୍ଟାଲ୍ ପରିବାରର ସର୍ବୋତ୍ତମ ତରଭୁଜ ବିହନ ମଧ୍ୟରୁ ଗୋଟିଏ ବାଛିଛନ୍ତି। ଉଚ୍ଚମାନର ତରଭୁଜ ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ କରିବାରେ କ୍ରିଷ୍ଟାଲର ଦୃଢ଼ ଅଭିଜ୍ଞତା ରହିଛି। ଏହି ବିହନଗୁଡ଼ିକ ବ୍ୟାପକ ଗବେଷଣାର ଫଳାଫଳ, ଯାହାର ଲକ୍ଷ୍ୟ ବିଭିନ୍ନ କୃଷି ଜଳବାୟୁ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ ଉଚ୍ଚ-ଅମଳକ୍ଷମ ହାଇବ୍ରିଡ୍ ଫସଲ ବିକଶିତ କରିବା ଅଟେ। ଚାଷୀମାନେ ସର୍ବୋଚ୍ଚ ଗୁଣବତ୍ତାର ବିହନ ପାଇବା ନିଶ୍ଚିତ କରିବା ପାଇଁ କ୍ରିଷ୍ଟାଲ୍ ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ ସମୟରେ ନୂତନତମ ପ୍ରଯୁକ୍ତିବିଦ୍ୟା ବ୍ୟବହାର କରେ। କ୍ରିଷ୍ଟାଲ୍‌ର ତରଭୁଜ ବିହନ ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅଙ୍କୁରଣ ଏବଂ ଜୈବ ଓ ଅଜୈବ ଚାପ ସହନଶୀଳତା ସହିତ ଉନ୍ନତ ବିକାଶ ଯୋଗାଇଥାଏ।
ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅମଳ ପାଇବା ପାଇଁ ଦୟାକରି ସର୍ବୋତ୍ତମ କୃଷି ପଦ୍ଧତି ଗ୍ରହଣ କରନ୍ତୁ। ନିମ୍ନଲିଖିତ ସାଧାରଣ ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି, ତେଣୁ କୌଣସି ନିଷ୍ପତ୍ତି ନେବା ପୂର୍ବରୁ ଏହି ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକୁ ପଢ଼ି ନେବାକୁ ଆମେ ଆପଣଙ୍କୁ ଅନୁରୋଧ କରୁଛୁ।

ହାଇବ୍ରିଡ ତରଭୁଜ	ବ୍ଲାକ ବସ୍, ବ୍ଲାକ ଜମ୍ବୋ, Hyb. ପୂମା	ବ୍ଲାକ ବସ୍, ବ୍ଲାକ କ୍ୱିଇନ୍ ପ୍ଲସ୍, ବ୍ଲାକ କ୍ୱିଇନ୍, ବ୍ଲାକ ସୁପ୍ରିମୋ, Hyb. କାବେରୀ, Hyb. ଭିଥୋବା	ଗ୍ରୀନ୍ ୱଣ୍ଡର, Hyb. ଶିମ୍ଲା	ୟେଲୋ ବେବି								
ଅବଧି	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS								
ଖରିପ	ହଁ	ହଁ	ହଁ	ହଁ								
ରବି	ହଁ(100-107)	ହଁ (100-107)	ହଁ (97-107)	ହଁ (100-107)								
ବସନ୍ତ	ହଁ	ହଁ	ହଁ	ହଁ								
ଜଳସେଚନର ଉତ୍ସ	ବୋରୱେଲ୍	ବୋରୱେଲ୍	ବୋରୱେଲ୍	ବୋରୱେଲ୍								

ଦୟାକରି ଧ୍ୟାନ ଦିଅନ୍ତୁ ଯେ ପାଣିପାଗ ପରିସ୍ଥିତି ଅନୁସାରେ ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ପରିପକ୍ୱତା ଭିନ୍ନ ହୋଇପାରେ।

କ୍ରମିକ ସଂଖ୍ୟା	ବିବରଣୀ / କାର୍ଯ୍ୟ / ଅଭ୍ୟାସ	କାର୍ଯ୍ୟର ବିବରଣୀ। ପ୍ରତି ଏକର ଇନପୁଟ୍
1	କ୍ଷେତ୍ର/କୃଷି-ଜଳବାୟୁ କ୍ଷେତ୍ରର ଉପଯୁକ୍ତତା	ତରଭୁଜ ପାଇଁ ଗରମ ଦିନ ଏବଂ ଥଣ୍ଡା ରାତି ସହିତ ଶୁଖିଲା ଗରମ ଜଳବାୟୁ ଆବଶ୍ୟକ। ତରଭୁଜ ତୁଷାର ଏବଂ ନିମ୍ନ ତାପମାତ୍ରା ସହ୍ୟ କରିପାରିବ ନାହିଁ।
2	ଭୂମି ଓ ମାଟି	ଭଲ ଜଳ ନିଷ୍କାସନ ହେଉଥିବା ବାଲିଆ ଦୋରସା ଏବଂ ପଡିଆ ମାଟି। ମାଟିର ପିଏଚ ୫.୫ ରୁ ୭.୫ ଆଦର୍ଶ ରହିବ।
3	ବୁଣିବା ଋତୁ/ରୋପଣ ସମୟ	ଦକ୍ଷିଣ ଭାରତରେ ଜୁନ୍-ଅକ୍ଟୋବର ଏବଂ ଫେବୃଆରୀ-ଏପ୍ରିଲ ଅଟେ । ଉତ୍ତର ଏବଂ ପଶ୍ଚିମ ଭାରତରେ ଜୁଲାଇ-ଅଗଷ୍ଟ ଏବଂ ଫେବୃଆରୀ-ମାର୍ଚ୍ଚ, ପୂର୍ବ ଭାରତରେ ଜୁନ୍-ଜୁଲାଇ ଅଟେ।
4	ବିହନ ହାର ବୁଣିବା/ରୋପଣ ପଦ୍ଧତି	300-350 ଗ୍ରାମ/ଏକର, କେନାଲ ପଦ୍ଧତି।
5	ମୁଖ୍ୟ କ୍ଷେତ ପ୍ରସ୍ତୁତି ଏବଂ ରୋପଣ	୧୦ ଟନ୍ ପଚିଯାଇଥିବା ଏଫ.ୱାଇ.ଏମ୍ ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ ଏବଂ ତା'ପରେ ମାଟିରେ ମିଶ୍ରଣ ପାଇଁ ହାରୋଇଂ କରନ୍ତୁ। * ବିହନ କେନାଲ ତିଆରି କରନ୍ତୁ * ବିହନ କେନାଲରେ ସାରର ମୂଳ ମାତ୍ରା ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ ଏବଂ ଘୋଡାଇ ଦିଅନ୍ତୁ। * ବୁଣିବାର ଦୁଇ ଦିନ ପୂର୍ବରୁ କ୍ଷେତକୁ ଜଳସେଚନ କରନ୍ତୁ। * ପ୍ରତି ପାହାଡ଼ରେ ଦୁଇଟି ବିହନ ବୁଣାନ୍ତୁ, ଶୀଘ୍ର ଏବଂ ଭଲ ଅଙ୍କୁର ପାଇଁ ତୁରନ୍ତ ହାଲୁକା ଜଳସେଚନ ଦିଅନ୍ତୁ।
6	ବ୍ୟବଧାନ	ଧାଡ଼ି ର ଧାଡ଼ି (କେନାଲ) 200-240 ସେ. ମି.; ଗଛ ର ଗଛ: 45 ସେ. ମି.
7	ବୁଣିବା ପୂର୍ବରୁ ବିହନ ଉପଚାର	କ୍ୟାପଟନ 2 ଗ୍ରାମ୍/କିଲୋଗ୍ରାମ୍ ସହିତ ବୀଜ ଚିକିତ୍ସା କରନ୍ତୁ।
8	ଖତ ଏବଂ ସାର	* ବୁଣିବା ପୂର୍ବରୁ ମୂଳ ମାତ୍ରା : ୩୦:୫୦:୫୦ କିଲୋଗ୍ରାମ ଏନ.ପି.କେ (NPK) * ବୁଣିବା ପରେ ୨୦-୨୫ ଦିନ ପରେ ପ୍ରଥମ ଟପ୍ ଡ୍ରେସିଂ: ୫୦ କିଲୋଗ୍ରାମ ନାଇଟ୍ରୋଜେନ। * ପ୍ରଥମ ଟପ୍ ଡ୍ରେସିଂର ୨୦-୨୫ ଦିନ ପରେ ଦ୍ୱିତୀୟ ଟପ୍ ଡ୍ରେସିଂ: ୨୦ କିଲୋଗ୍ରାମ ନାଇଟ୍ରୋଜେନ
9	ଜଳସେଚନ ସମୟସୂଚୀ	ମାଟିର ପ୍ରକାର ଉପରେ ନିର୍ଭର କରି କ୍ଷେତକୁ ଜଳସେଚନ କରନ୍ତୁ। ହାଲୁକା ଏବଂ ବାରମ୍ବାର ଜଳସେଚନ 5-6 ଦିନ ବ୍ୟବଧାନରେ ଥରେ କରାଯାଏ। ବିଶେଷକରି ଫୁଲ ଫଳ ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ ମୂଳ ଅଞ୍ଚଳରେ ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତ ପରିମାଣର ଆର୍ଦ୍ରତା ରହୁଛି ତାହା ସୁନିଶ୍ଚିତ କରନ୍ତୁ।
10	ଘାସ ବାଛିବା/ଆନ୍ତଃଚାଷ କରିବା	ଦୁଇଥର ହାତରେ ଘାସ ବାଛିବା ଆବଶ୍ୟକ। ଜମିକୁ ଘାସ ମୁକ୍ତ ରଖନ୍ତୁ। ବୁଣିବାର ୩୦ ଏବଂ ୬୦ ଦିନ ପରେ ମାଟି ଉଠାଇବା ଦରକାର।
11	ସୂକ୍ଷ୍ମ ପୋଷକ ତତ୍ତ୍ୱ/ବୃଦ୍ଧି ନିୟାମକ ସିଞ୍ଚନ	ଫଳ ସେଟ୍ ବୃଦ୍ଧି କରିବାକୁ, ଫୁଲ ସମୟରେ କ୍ୟାଲସିୟମ୍ ନାଇଟ୍ରେଟ୍ (1% ଦ୍ରବଣ) ସ୍ପ୍ରେ କରନ୍ତୁ
12	କୀଟପତଙ୍ଗ ଏବଂ ରୋଗ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ	ଡାଉନି ମିଲଡ୍ୟୁ : ଟେବୁକୋନାଜୋଲ ୫୦% + ଟ୍ରାଇଫ୍ଲୋକ୍ସିଷ୍ଟ୍ରୋବିନ ୨୫% ଡବ୍ଲ୍ୟୁଜି (WG) (ପ୍ରତି ଲିଟର ୦.୫ ରୁ ୧ ଗ୍ରାମ) କିମ୍ବା କ୍ଲୋରୋଥାଲୋନିଲ ୭୫% ଡବ୍ଲ୍ୟୁପି (WP) ୧.୦ ମିଲି/ଲିଟର ଡାଉନି ମିଲଡ୍ୟୁ: ଟେବୁକୋନାଜୋଲ ୫୦% + ଟ୍ରାଇଫ୍ଲୋକ୍ସିଷ୍ଟ୍ରୋବିନ ୨୫% ଡବ୍ଲ୍ୟୁଜି (WG) (ପ୍ରତି ଲିଟର ୦.୫ ରୁ ୧ ଗ୍ରାମ) ପତ୍ର ଖନନକାରୀ: ଆବାମେକ୍ଟିନ୍ ୧.୮% ଇସି (EC) (୦.୫ ରୁ ୧ ମିଲି/ଲିଟର), ଲାଲ କଖାରୁ ପୋକ: ଡେଲଟାମେଥ୍ରିନ୍ ୫.୫୬% ଡବ୍ଲ୍ୟୁ/ଡବ୍ଲ୍ୟୁ (w/w) ଏସସି(SC) (୦.୫ ମିଲି/ଲିଟର) ଥ୍ରିପ୍ସ / ଏଫଡ୍ସ: ଫ୍ଲୋନିକାମିଡ୍ ୫୦% ଡବ୍ଲ୍ୟୁଜି (WG) (୦.୫ ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) ଫୁସାରିଅମ୍ ୱିଲ୍ଟ: କାର୍ବେଣ୍ଡାଜିମ୍ (୧ ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) ସହିତ ସିଞ୍ଚନ କରନ୍ତୁ ଫଳ ମାଛି: ଫେରୋମୋନ୍ ଫାଶ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ। ଡେଲ୍ଟା ମିଥ୍ରିନ୍ ୧ ମିଲି/ଲିଟର କ୍ଷେତରେ ରୋଗ ଏବଂ କୀଟପତଙ୍ଗ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ବିଷୟରେ ଅଧିକ ସୂଚନା ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କର ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରନ୍ତୁ।
13	ଅମଳ	ଫୁଲ ହେବାର 40-55 ଦିନ ପରେ ଅମଳ ପାଇଁ ପ୍ରସ୍ତୁତ ଫଳ। ଫଳର ନିକଟବର୍ତ୍ତୀ ଟେଣ୍ଡ୍ରିଲ୍ ଶୁଖିଯିବା ପରିପକ୍ୱତାର ସଙ୍କେତ।
14	ଆଶାକରାଯାଇଥିବା ଲାଭ	ଆଦର୍ଶ ପରିସ୍ଥିତିରେ ଏକ ଭଲ ଭାବରେ ପରିଚାଳିତ ଫସଲରୁ 20-25 ଟନ୍ ଫଳ
17	ସଂରକ୍ଷଣ	3 ସପ୍ତାହ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଥଣ୍ଡା, ଶୁଖିଲା ସ୍ଥାନରେ କୋଠରୀ ତାପମାତ୍ରାରେ (50-60 ° F, 10-15 ° C) ରଖନ୍ତୁ।
18	କରନ୍ତୁ ନାହିଁ	ଧାଡ଼ି ଠାରୁ ଧାଡ଼ି ମଧ୍ୟରେ କମ୍ ବ୍ୟବଧାନ ସହିତ ଅଧିକ ଜଳସେଚନ ଏବଂ ନିକଟ ରୋପଣ କରନ୍ତୁ ନାହିଁ।
19	କରନ୍ତୁ	ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତ ପାଣି ଯୋଗାଇ ଦିଅନ୍ତୁ। ସଠିକ ପରିପକ୍ୱତା ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ ଅମଳ କରନ୍ତୁ
ଟିପ୍ପଣୀ	ଉପରୋକ୍ତ ସୂଚନା ଏକ ସାଧାରଣ ପରାମର୍ଶ ଅଟେ। ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଅଞ୍ଚଳର ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ସୁପାରିଶ ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ ରାଜ୍ୟ କୃଷି ବିଭାଗ ସହିତ ଯୋଗାଯୋଗ କରନ୍ତୁ।	
ସତର୍କତା	ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ଅମଳ ବିଭିନ୍ନ କାରଣ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରଭାବିତ ହୋଇପାରେ। ତେଣୁ, ପରାମର୍ଶ ପାଇଁ ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରିବାକୁ ସୁପାରିଶ କରାଯାଉଛି। ନିଶ୍ଚିତ କରନ୍ତୁ ଯେ କେବଳ ଉଚ୍ଚମାନର ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଉଛି। ବିହନ, ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ କ୍ରୟ କରିବାର ରସିଦ ଆପଣଙ୍କ ପାଖରେ ରଖନ୍ତୁ।	

তৰমুজ- অনুশীলনৰ পেকেট

অভিনন্দন! আপুনি ক্ৰিষ্টেল পৰিয়ালৰ শ্ৰেষ্ঠ তৰমুজ বীজৰ এটা বাচি লৈছে। উচ্চ মানৰ তৰমুজ বীজ উৎপাদনত ক্ৰিষ্টেলৰ দৃঢ় অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজবোৰ হৈছে বিস্তৃত গৱেষণাৰ ফলাফল, যাৰ লক্ষ্য হৈছে বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুৰ বাবে উপযুক্ত উচ্চ-উৎপাদনশীল হাইব্ৰিড শস্য বিকাশ কৰা। বীজ উৎপাদনৰ সময়ত ক্ৰিষ্টেলে শেহতীয়া প্ৰযুক্তি গ্ৰহণ কৰে যাতে কৃষকসকলে সৰ্বোচ্চ মানৰ বীজ লাভ কৰে। ক্ৰিষ্টেলৰ তৰমুজ বীজবোৰে জৈৱিক আৰু অজৈৱিক চাপ সহনশীলতাৰে উৎকৃষ্ট অংকুৰণ আৰু উন্নত শক্তি প্ৰদান কৰে।
অনুগ্ৰহ কৰি উৎকৃষ্ট কৃষি পদ্ধতি গ্ৰহণ কৰি উৎকৃষ্ট উৎপাদন লাভ কৰক। তলত দিয়া সাধাৰণ পৰামৰ্শসমূহ প্ৰদান কৰা হৈছে, গতিকে আমি আপোনাক অনুৰোধ কৰোঁ যে আপুনি কোনো সিদ্ধান্ত লোৱাৰ আগতে এই পৰামৰ্শসমূহ পঢ়ক।

হাইব্ৰিড তৰমুজ	**ব্লেক বাস, ব্লেক জংবো, হাইব্ৰিড. প্যমা**	**গ্ৰীন ভংডৰ, হাইব্ৰিড. সিংবা**	**যেলো বেবী**									
সময়কাল	80-90 DAS	80-90 DAS	80-90 DAS									
খাৰিফ	হয়	হয়	হয়									
ৰাবি	হয় (100-107)	হয় (97-107)	হয় (100-107)									
বসন্ত	হয়	হয়	হয়									
জলসিঞ্চনৰ উৎ	ব'ৰৱেল	ব'ৰৱেল	ব'ৰৱেল									

অনুগ্ৰহ কৰি মন কৰিব যে বতৰ অনুসৰি শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু পৰিপক্কতা ভিন্ন হ'ব পাৰে।

ক্ৰমিক নম্বৰ	**সাবিশেষ/কাৰ্য্য/অনুশীলন**	**কাৰ্যৰ বিৱৰণ, প্ৰতি একৰ ইনপুট**
1	অঞ্চলটোৰ উপযোগীতা/কৃষি জলবায়ু অঞ্চল	তৰমুজ গৰম আৰু শুকান জলবায়ুৰ আৱশ্যক হয় য'ত গৰম দিন আৰু শীতল ৰাতি থাকে। তৰমুজ ঠাণ্ডা আৰু নিম্ন তাপমাত্ৰা সহ্য কৰিব নোৱাৰে
2	ভূমি মাটি	ভালদৰে খালী বালিৰ মাটি আৰু জলাশয়ৰ মাটি। মাটিৰ ph 5.5ৰ পৰা 6.5 আদৰ্শ।
3	ঋতু বীজ সিঁচাৰ/পলোৱাৰ সময়	দক্ষিণ ভাৰতত জুন-অক্টোবৰ আৰু ফেব্ৰুৱাৰী-এপ্ৰিল। উত্তৰ আৰু পশ্চিম ভাৰতত জুলাই-আগষ্ট আৰু ফেব্ৰুৱাৰী-মাৰ্চ, পূব ভাৰতত জুন-জুলাই
4	বীজৰ হাৰ। বীজ সিঁচা/পলোৱা পদ্ধতি	300-350 গ্ৰাম/ একৰ, খাল পদ্ধতি।
5	মূল পথাৰৰ প্ৰস্তুতি আৰু ৰোপণ	10 টন বিঘ্নিত FYM প্ৰয়োগ কৰক তাৰ পিছত মাটিত মিশ্ৰিত কৰিবলৈ হৰভিং কৰক। * বীজ সিঁচাৰ পথ তৈয়াৰ কৰক * বীজ সিঁচাৰ পথাৰত মৌলিক পৰিমাণৰ সাৰ প্ৰয়োগ কৰক আৰু সাৰক ঢাকি ৰাখক * বীজ সিঁচাৰ দুদিন আগতে পথাৰখন জলসিঞ্চন কৰক। * প্ৰতিডাল বীজত দুটাকৈ ডাবল দিয়ক, দ্ৰুত আৰু ভাল বীজানুৰ বাবে তৎক্ষণাৎ হালধীয়া জলসিঞ্চন দিয়ক
6	ব্যৱধান	শাৰীত শাৰীত (কেনেল) 200-240ছেঃমিঃ; উদ্ভিদৰ পৰা উদ্ভিদলৈ: 45 ছেঃমিঃ
7	বীজ সিঁচাৰ আগতে বীজৰ শোধনীকৰণ	বীজ কেপ্তান (2 গ্ৰাম/কেজি)ৰ দ্বাৰা শোধন কৰা হয়।
8	সাৰ আৰু সাৰুৱা পদাৰ্থ	* বীজ সিঁচাৰ আগতে প্ৰাথমিক পালি : 30: 50: 50 কেজি NPK * বীজ সিঁচাৰ 20-25 দিনৰ পিছত প্ৰথম শীৰ্ষ কাপোৰ: 50 কেজি N * প্ৰথম টোপৰ পিছত 20-25 দিনত দ্বিতীয়টো টোপ পেকেজিং: 20 কেজি N
9	জলসিঞ্চনৰ সময়সূচী	[illegible] এবাৰ হালধীয়া আৰু সঘনাই জলসিঞ্চন কৰা। বিশেষভাৱে ফুল ফলৰ সময়ত মূল অঞ্চলত পৰ্যাপ্ত আৰ্দ্ৰতা নিশ্চিত কৰক
10	অপতৃণ/ আন্তঃখেতি	দুখন হাতৰ গছ কাটিব লাগে। খেতিপথাৰবোৰ ঘাঁহবিহীন কৰি ৰাখক। বীজ সিঁচাৰ পিছত 30 আৰু 60 দিনত মাটি লগোৱা।
11	ক্ষুদ্ৰ পুষ্টি/বৃদ্ধি নিয়ন্ত্ৰক স্প্ৰে	ফুল ফুলাৰ সময়ত কেলচিয়াম নাইট্ৰেট (1% দ্ৰৱ) স্প্ৰে কৰি ফল বৃদ্ধি কৰিব লাগে
12	কীট-পতংগ আৰু ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ	102 পাউডাৰী মিল্ডিউঃ টেবুকোনাজোল 50% + ট্ৰাইফ্লক্সিষ্ট্ৰ'বিন 25% WG (লিটাৰ প্ৰতি 0.5ৰ পৰা 1 গ্ৰাম) বা ক্ল'ৰ'থালোনিল 75% WP 1.0 মিলি/লিটাৰ ডাউনি মিল্ডিউ: টেবুক'নাজ'ল 50% + ট্ৰাইফ্লক্সিষ্ট্ৰবিন 25% WG (প্ৰতি লিটাৰত 0.5ৰ পৰা 1 গ্ৰাম) পাতৰ খনিজ: এবামেক্টিন 1.8% EC(0.5ৰ পৰা 1 মিলি/লিটাৰ), ৰঙা কুমলীয়া ভেকুলী: ডেলটামেথ্ৰিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলি/লিটাৰ) থ্ৰিপছ /এফিড : ফ্লনিকমিড 50 % WG (0.5 গ্ৰাম/লিটাৰ) ফুচেৰিয়াম উইল্ট: কাৰ্বেণ্ডাজিমৰ সৈতে ড্ৰেঞ্চ কৰক (1গ্ৰাম/লিটাৰ) ফলৰ মাখি: ফেৰ'মন ফান্দ ব্যৱহাৰ কৰক। ডেল্টা মিথ্ৰিন 1 মিলি/লিটাৰ পথাৰত ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ আৰু ৰোগৰ বিষয়ে অধিক তথ্যৰ বাবে অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।
13	শস্য চপোৱা	ফুল ফুলাৰ 40-55 দিনৰ পিছত ফলবোৰ কাটিবলৈ সাজু হয়। ফলৰ কাষত থকা টেনড্ৰিল শুকুৱাই লোৱাটোৱে পৰিপক্কতাৰ ইংগিত দিয়ে।
14	প্ৰত্যাশিত উৎপাদন	আদৰ্শ পৰিস্থিতিত ভালদৰে পৰিচালিত শস্যৰ পৰা 20-25 টন ফল।
17	সংৰক্ষণ	কক্ষ তাপমাত্ৰাত (50- 60°F, 10-15°C) শীতল, শুকান স্থানত 3 সপ্তাহ পৰ্যন্ত ৰাখিব
18	নকৰিবা	অতিৰিক্ত জলসিঞ্চন আৰু শাৰী-শাৰী মাজত কম ব্যৱধানৰ সৈতে ঘনিষ্ঠভাৱে ৰোপণ।
19	কৰিবা	পৰ্যাপ্ত পানী যোগান ধৰক। সঠিক পৰিপক্কতা পৰ্যায়ত শস্য সংগ্ৰহ
টোকা	ওপৰৰ তথ্যসমূহ সাধাৰণ পৰামৰ্শৰ বাবেহে দিয়া হৈছে। বিশেষ অঞ্চলৰ সৈতে সম্পৰ্কিত বিশেষ পৰামৰ্শৰ বাবে, অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় ৰাজ্যিক কৃষি বিভাগৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।	
সাৱধানতা	শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু উৎপাদন বিভিন্ন কাৰকৰ দ্বাৰা প্ৰভাৱিত হ'ব পাৰে। সেয়েহে, পৰামৰ্শৰ বাবে আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক। নিশ্চিত কৰক যে কেৱল উচ্চ মানৰ সাৰ আৰু কীটনাশক ব্যৱহাৰ কৰা হয়। বীজ, সাৰ আৰু কীটনাশক ঔষধ ক্ৰয় কৰাৰ বিলবোৰ ৰাখক।	